● वर्ष-4
● अंक-40
रायपुर, मंगलवार
24 सितंबर 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6»»» तरक्की में बाधा बन सकता है पितृ...

हरियाणा में मध्य प्रदेश नहीं दोहराना चाहती कांग्रेस

नई दिल्ली। हरियाणा में जितने कांग्रेस के बड़े नेता, उतना बड़ा उनका गुट। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी इस गुटबाजी को पार्टी की सफलता की राह का सबसे बड़ा रोड़ा मानते हैं। हरियाणा में विधानसभा चुनाव पर राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बारीक नजर रख रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी पार्टी में गुटबाजी के खिलाफ हैं। बताते हैं इसे केन्द्र में रखकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा को साफ संदेश दे दिया गया है। हुड्डा का पूरा आदर है, लेकिन उन्हें सभी को साथ लेकर चलने का सख्त संदेश दे दिया गया है। कांग्रेस हरियाणा में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव का कसैला स्वाद नहीं दोहराना चाहती। कांग्रेस हरियाणा विधानसभा की सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस चुनाव की तैयारी के लिए कांग्रेस के सबसे बड़े क्षेत्रीय कमांडर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा हैं। राज्य में कांग्रेस की बड़ी दलित नेता कुमारी सैलजा हैं। सैलजा का सिरसा, हिसार, अंबाला में अच्छा प्रभाव है। राज्य में अनुसूचित जाति के लिए कुल 17 सीटें आरक्षित हैं, लेकिन इन सीटों पर अधिकांश उम्मीदवार हुड्डा की ही पसंद के हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने इस चुनाव में 90 में से 60-65 सीटें जीतने का पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भरोसा दिया है। उन्होंने इस लक्ष्य को पाने के लिए जो रोड मैप तैयार किया है, पार्टी के चुनावी रणनीतिकार काफी हद तक उससे सहमत हैं। उन्होंने ही हरियाणा में आम आदमी पार्टी समेत अन्य सहयोगियों से मिलकर चुनाव लड़ने की संभावना को खारिज भी किया था। इसलिए उनकी टिकट निर्धारण में चली भी है।

राज्य में सैलजा और रणदीप सुरजेवाला समेत अन्य भी हैं?

किरण चौधरी के भाजपा में जाने और अशोक तंवर के भी पहले ही पार्टी छोड़ देने के कारण हरियाणा कांग्रेस और राज्य में भूपेन्द्र हुड्डा की पकड़ काफी मजबूत हो गई है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह और राव इंद्रजीत सिंह ने भी भाजपा की राह पकड़ ली थी। इसने हुड्डा समीकरण को काफी मजबूत कर दिया। लेकिन हिसार, अंबाला, सिरसा में सैलजा थोड़ा दम खम रखती हैं। रणदीप सुरजेवाला भी हुड्डा विरोधी गुट के माने जाते हैं। दोनों लगातार विधानसभा चुनाव प्रचार में कम रुचि ले रहे थे। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में थे। दोनों की इच्छा अपने समर्थकों को टिकट दिलाने की भी थी। लिहाजा सैलजा ने अपने को घर और सीमित दायरे तक समेट लिया था। रणदीप सुरजेवाला भी इसी तरह का संकेत दे रहे थे। बताते हैं शनिवार को इस संदर्भ में चर्चा हुई। अब रणदीप सुरजेवाला और कुमारी सैलजा समेत अन्य नेता पार्टी को मजबूत बनाने के लिए राजी हो गए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के समिट ऑफ द फ्यूचर में प्रधानमंत्री का संबोधन

भारत शांति के लिए सुधार का पक्षधर-मोदी

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज संयुक्त राष्ट्र महासभा के समिट ऑफ द फ्यूचर में कहा कि भारत शांति के लिए ग्लोबल रिफॉर्म का पक्षधर है। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर मानवता का कल्याण सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा कि शांति के लिए विकास में सुधार जरूरी है।

उन्होंने कहा कि हमें सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए मानव केंद्रित दृष्टिकोण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अपने डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को पूरी दुनिया के साथ साझा करने के लिए तैयार है। पीएम मोदी ने कहा, जून में अभी-अभी मानव इतिहास के सबसे बड़े चुनाव में भारत के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार सेवा का अवसर दिया है और मैं यहां

मानवता के छठे हिस्से की आवाज आप तक पहुंचाने आया हूं। जब हम ग्लोबल फ्यूचर के बारे में बात कर रहे हैं, तो मानव-केंद्रित दृष्टिकोण सर्वप्रथम होनी चाहिए।

सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए, हमें मानव कल्याण, भोजन, स्वास्थ्य सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी।

हमने भारत में 250 मिलियन लोगों को गरीबी से बाहर निकालकर दिखाया है कि सतत विकास सफल हो सकता है। हम सफलता के इस अनुभव को ग्लोबल साउथ के साथ साझा करने के लिए तैयार हैं।

संयुक्त राष्ट्र में समिट ऑफ द फ्यूचर में पीएम मोदी ने आगे कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। जबकि साइबर, समुद्री और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्र संघर्ष के नए मोर्चे के रूप में उभर रहे हैं। इन सभी मुद्दों पर वैश्विक कार्रवाई वैश्विक महत्वाकांक्षा से मेल खानी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, प्रौद्योगिकी के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के लिए संतुलित विनियमन की आवश्यकता है। हमें ऐसे वैश्विक डिजिटल शासन की आवश्यकता है जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण रहे। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एक पुल होनी चाहिए न कि बाधा।

क्वाड 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति - चीनी मीडिया

बीजिंग । चीन की सरकारी मीडिया ने क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) पर बीजिंग और उसके पड़ोसियों के बीच मतभेद पैदा करने के लिए 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति अपनाने का रविवार को आरोप लगाया। चार सदस्यीय समूह के शिखर सम्मेलन में हिंद-प्रशांत साझेदारी का विस्तार करने का निर्णय लेने के एक दिन बाद यह आरोप लगाया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की मेजबानी में क्वाड नेताओं का शिखर सम्मेलन शनिवार को उनके गृह नगर विलमिंगटन, डेलावेयर में हुआ। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने भाग लिया। चीन की सरकारी मीडिया ने कहा कि इस सम्मेलन में चीन को नियंत्रित करने की रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

न्यूयॉर्क में मोदी ने वैश्विक नेताओं से की मुलाकात

दलितों का अपमान कर रही कांग्रेस : रामचंद्र जांगड़ा

रोहतक। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने सोमवार को भाजपा मीडिया सेंटर में पत्रकारों से बातचीत की और कांग्रेस को जमकर घेरा। जांगड़ा ने कहा कि कांग्रेस के नेता मानसिक संतुलन खो चुके हैं। ये कभी दलित नेता पर जातीय टिप्पणी करते हैं तो कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर। कांग्रेस के लोग भाजपा के बारे में ऊल जलूल दुष्प्रचार कर रहे हैं। सांसद ने कांग्रेस को पर्ची खर्ची से नौकरी देने मामले में भी घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी अभी से ही नौकरियों का सौदा कर चुके हैं। कांग्रेसी उम्मीदवार लगातार बयान दे रहे हैं कि हुड्डा 2 लाख नौकरी देंगे, उनमें 2 हजार का कोटा प्रत्याशी का भी है। कांग्रेस उम्मीदवार सत्ता में आते ही अपना और अपने रिश्तेदारों का घर भरने की बात बोल रहे हैं, लेकिन भाजपा ने बिना पर्ची और बिना खर्ची युवाओं को नौकरी दी और आगे भी देती रहेगी। रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा सरकार बनने जा रही है। हमने वादा किया है कि अग्निवीर जवानों को हरियाणा में सरकारी नौकरी देंगे, जबकि कांग्रेस के नेता अन्याय और अत्याचार की प्रणाली दोहराने की बात कर रहे हैं। जांगड़ा ने कहा कि कांग्रेस की दो जीभ हैं, कांग्रेस के नेता देश में कुछ और बालते हैं और विदेश में जाकर कुछ और बालते हैं। कांग्रेस न देश की है और न जनता की। राहुल गांधी जैसी बचकानी बातें कोई नेता नहीं कर सकता। कांग्रेस लोकसभा चुनाव के दौरान बोल रही थी कि मोदी प्रधानमंत्री बने तो आरक्षण खत्म कर देंगे.

प्रमुख समाचार

ब्राह्मण और राजपूत आर्थिक विकास महामंडल गठित

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले सोमवार को राज्य सरकार ने कैबिनेट बैठक में 24 अहम फैसले लिए हैं। महायुति सरकार ने बाह्मण और राजपूत समुदाय के लिए आर्थिक विकास महामंडल गठित करने की मंजूरी दी है। इस निगम की स्थापना ब्राह्मण और क्षत्रिय समुदाय के आर्थिक विकास के लिए की गई है। वहीं, तीन कुनबी उपजातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में ब्राह्मण समुदाय के लिए भगवान परशुराम आर्थिक विकास निगम को कैबिनेट की मंजूरी दी है। वहीं, राजपूत समाज के लिए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप आर्थिक विकास निगम को मंजूरी दी गई है। ब्राह्मण समुदाय इस निगम की स्थापना के लिए कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहा था। अंतत: कैबिनेट की बैठक में इस पर फैसला लिया है। राज्य में मराठा आरक्षण की मांग उठने के बाद हर समुदाय आक्रामक हैं। उसी पृष्ठभूमि में, ब्राह्मण समुदाय भी छात्रों को सरकारी लाभ प्रदान करने के लिए परशुराम आर्थिक विकास निगम की मांग कर रहा था।

राज्यपाल रवि ने धर्मनिरपेक्षता को बताया यूरोपीय अवधारणा

नई दिल्ली। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने दावा किया कि धर्मनिरपेक्षता के नाम पर भारत के लोगों के साथ धोखाधड़ी की गई है। उन्होंने कहा कि यह एक यूरोपीय अवधारणा है और भारत में इसकी आवश्यकता नहीं है। कन्याकुमारी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस देश के लोगों के साथ कई धोखाधड़ी की गई हैं और उनमें से एक धर्मनिरपेक्षता की गलत व्याख्या है। राज्यपाल ने पूछा कि धर्मनिरपेक्षता का क्या मतलब है? धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है, और यह भारतीय अवधारणा नहीं है। आरएन रवि ने बताया कि यूरोप में धर्मनिरपेक्षता का उदय चर्च और राजा के बीच संघर्ष के कारण हुआ। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के समय संविधान के प्रारूपण के दौरान किसी ने धर्मनिरपेक्षता पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता एक यूरोपीय अवधारणा है और इसे वहीं रहना चाहिए। भारत में धर्मनिरपेक्षता की कोई आवश्यकता नहीं है। आरएन रवि ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भी आलोचना की, जिन्होंने 1976 में संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता शब्द को शामिल किया था।

कंगना अपने बयान से माफी मांगे वरना...: विक्रमादित्य

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को सोनिया गांधी के खिलाफ उनके बयान के लिए भाजपा सांसद कंगना रनौत की आलोचना की। कांग्रेस ने साफ तौर पर उनसे माफी की मांग की है। इतना ही नहीं, हिमाचल कांग्रेस ने कंगना रनौत को अपनी टिप्पणियों पर कानूनी कार्रवाई का सामना करने की चुनौती दी। यह तब आया है जब रनौत ने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश सरकार ने ऋण लिया और पैसा सोनिया गांधी को भेज दिया। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि हम एक सांसद के रूप में कंगना जी (मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत) का सम्मान करते हैं। लेकिन जिस तरह से उन्होंने हमारी राष्ट्रीय नेता सोनिया गांधी जी के खिलाफ बयान दिया है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कोई अनपढ़ व्यक्ति भी ऐसी बातें नहीं कहेगा। या तो वह सबूत दिखाएं या एक हफ्ते के अंदर माफी मांगें, नहीं तो हम उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगे। बीजेपी को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि यह कहने से बड़ा मूर्खतापूर्ण बयान नहीं हो सकता कि विकास के लिए केंद्र से आने वाला पैसा या राज्य का पैसा सोनिया गांधी को दिया जा रहा है।

गिरफ्तार किए गए मछुआरे पर भारी जुर्माना वसूलेः स्टालिन

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से हस्तक्षेप करने और श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के मछुआरों पर लगाए जा रहे भारी जुर्माने के मुद्दे पर ध्यान देने का आग्रह किया है। पिछले सप्ताह, तमिलनाडु के 37 मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने तीन मशीनीकृत नावों के साथ हिरासत में लिया था। मुख्यमंत्री स्टालिन ने पारंपरिक जल में मछली पकड़ते समय मछुआरों की गिरफ़्तारी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा, श्रीलंका की अदालतें ऐसे दंड लगा रही हैं जो इन मछुआरों की पहुँच से बाहर हैं। श्रीलंकाई अधिकारियों को मछुआरों को हिरासत में लेने और उनकी नावों को ज़ब्त करने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। स्टालिन ने एक पत्र में विदेश मंत्री से अनुरोध किया कि वे श्रीलंका सरकार पर दबाव डालें कि वह मछुआरों पर भारी जुर्माना लगाना बंद करे और उन्हें आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करे। उन्होंने गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नावों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का भी आग्रह किया।

इजरायल की भीषण बमबारी से 182 लोगों की मौत

लेबनान। दक्षिणी लेबनान में इज़रायल द्वारा किए गए हमलों में कम से कम 182 लोग मारे गए और 700 से ज़्यादा लोग घायल हुए, जिनमें बच्चे, महिलाएँ और चिकित्सक शामिल हैं। इजराइल की सेना ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में तस्वीर जारी करते हुए घोषणा की कि सैन्य प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल हर्जी हलेवी, तेल अवीव स्थित सैन्य मुख्यालय से अतिरिक्त हमलों को मंजूरी दे रहे हैं। इज़रायल ने लेबनान के कई इलाकों में बमबारी की है। उसके रक्षा बल ने लोगों को तुरंत अपने घरों और अन्य इमारतों को छोड़ने की चेतावनी दी, जहाँ ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह आतंकवादी समूह कथित तौर पर हथियार रखता है। लेबनानी अधिकारियों के अनुसार, देश को 80,000 से अधिक संदिग्ध इज़राइली कॉल प्राप्त हुए. जिनमें लोगों को खाली करने के लिए कहा गयाएक सप्ताह के उग्रवाद के बाद इज़राइल के 11 महीने के संघर्ष को पूर्ण युद्ध के करीब ला दिया है।

सीवीसी भी नजरअंदाज

34 मामलों में भ्रष्ट अफसरों पर कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति कर रहे सरकारी विभाग

नई दिल्ली। रेलवे सहित विभिन्न सरकारी विभागों ने भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की केंद्रीय सर्तकता आयोग (सीवीसी) की सलाह को 'नजरअंदाज' किया है। दरअसल, सीवीसी ने सरकारी विभागों द्वारा नियमों का पालन नहीं करने के 34 बड़े मामले चिह्नित किए हैं। इससे साफ है कि भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की आयोग की सलाह को एक तरह से नजरअंदाज किया गया है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कम से कम 34 ऐसे मामले हैं, जिनमें भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई में सीवीसी की सलाह का अनुपालन नहीं हुआ। सीवीसी ने 2023 की रिपोर्ट में उन मामलो का भी जिक्र किया है जिनमें जांच में दोषी पाए गए अफसरों के खिलाफ आयोग की सिफारिशों को भी दरकिनार कर दिया गया। कुछ मामलों में इन भ्रष्ट अधिकारियों को या तो दोषमुक्त कर दिया गया या संबंधित विभागों द्वारा उन्हें बहुत कम सजा दी गई।

इसमें सबसे अधिक सात मामले कोयला मंत्रालय से जुड़े हैं। इसी तरह भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में पांच, आईडीबीआई बैंक में चार , इस्पात मंत्रालय के तहत तीन और बिजली मंत्रालय और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के तहत दो-दो मामले हैं, जिनमें सीवीसी की सलाह की अनदेखी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (जीएनसीटीडी), रेल मंत्रालय, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला।

सीवीसी की सलाह का नजरअंदाज करने का एक-एक मामला सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), नेशनल फर्टिलाइजर लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का भी था।

ईमानदारी पर नजर रखने वाली संस्था की हालिया रिपोर्ट में कहा गया, आयोग की सलाह को अस्वीकार करने से सतर्कता प्रक्रिया प्रभावित होती है और सतर्कता प्रशासन की निष्पक्षता कमजोर होती है।

कोयला मंत्रालय पर आयोग सख्त

कोयला मंत्रालय द्वारा अपनी सलाह का पालन न करने के एक मामले का ब्योरा देते हुए सीवीसी ने कहा कि भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के एक परियोजना अधिकारी, एक मुख्य प्रबंधक, तीन प्रबंधकों और एक निदेशक सहित अधिकारियों को भारी अर्थ-मूविंग मशीनरी (एचईएमएम) को किराये पर लेने के लिए ठेका बंद करने, पुन: निविदा जारी करने और ठेका देने में अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार पाया गया था। आयोग ने अगस्त 2018 में इन अधिकारियों के खिलाफ बड़ी दंडात्मक कार्यवाही शुरू करने के लिए सलाह दी थी।

इन अधिकारियों पर की गई थी कार्रवाई

अनुशासनात्मक प्राधिकारी द्वारा लगाए गए जुर्माने के बावजूद परियोजना अधिकारी, मुख्य प्रबंधक, तीन प्रबंधकों और निदेशक ने संबंधित अपीलीय अधिकारियों के समक्ष अपील की, जिन्होंने जून 2022 और जून 2023 के बीच जारी अपने आदेशों के माध्यम से सभी अधिकारियों को दोषमुक्त कर दिया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों को आरोपों से मुक्त करना आयोग की सलाह से बड़ा उल्लंघन है। इसके अलावा, एसबीआई के मामले में बैंक के क्षेत्रीय व्यापार कार्यालय ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना नई/मौजूदा शाखाओं के स्थानांतरण/नवीनीकरण/मरम्मत कार्य और अचल संपत्तियों की खरीद में भारी खर्च किया था। विभागीय जांच के बाद, अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने दोनों अधिकारियों (एक सहायक महाप्रबंधक और एक मुख्य प्रबंधक) पर बड़ा जुर्माना लगाया, जिनके खिलाफ आयोग ने अक्तूबर 2020 में बड़ी दंड कार्यवाही शुरू करने की सलाह दी थी। अपीलीय प्राधिकारी ने भी उनकी चूक को गंभीर प्रकृति का माना और दोनों अधिकारियों की अपील को खारिज कर दिया। हालांकि, समीक्षा समिति ने उनकी ओर से चूक देखने के बाद भी सितंबर 2022 में जारी अपने आदेश के माध्यम से दंड को प्रशासनिक चेतावनी में बदल दिया।

डीजेबी मामले में सीवीसी ने यह कहा

डीजेबी के मामले का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया कि यह देखा गया है कि कुछ कार्यों के निष्पादन के दौरान, अधूरे/घटिया काम को स्वीकार करने, अतिरिक्त सामग्री की बुकिंग, अधिक भुगतान और ठेकेदार को फर्जी भुगतान जैसी अनियमितताएं कथित तौर पर हुई थीं, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ।

आयोग ने जूनियर इंजीनियर (जेई) के खिलाफ बड़ी पेनल्टी कार्यवाही शुरू करने के लिए पहले चरण की सलाह दी थी, जिसे अनुशासनात्मक प्राधिकारी ने जून 2022 में जारी अपने आदेश के माध्यम से लगाया था। अनुशासनात्मक प्राधिकारी द्वारा लगाए गए जुर्माने से परेशान होकर जेई ने अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील की, जिसने अनुशासनात्मक प्राधिकारी के आदेश को बरकरार रखा।

इसके बाद जेई ने संशोधन प्राधिकरण के समक्ष एक संशोधन याचिका दायर की, जिसने पिछले साल तीन जुलाई के अपने आदेश के माध्यम से बड़े जुर्माने को छोटे जुर्माने में बदल दिया। रिपोर्ट में कहा गया है, संशोधन प्राधिकरण द्वारा मामूली जुर्माना लगाना आयोग की सलाह को नजरअंदाज करना है।

चौथे दिन भी मुआवजे की मांग पर अड़े रहे ग्रामीण

■ छत्तीसगढ़ में राशन से लदे ट्रक को बनाया बंधक, खाली हाथ लौटे डीएमओ

गरियाबंद। जिले के घुमरापदर गांव में ग्रामीणों ने पिछले चार दिनों से 200 बैग राशन से लदे ट्रक को बंधक बना रखा है। यह ट्रक 20 सितंबर को देवभोग वेयरहाउस से राशन छोड़ने पहुंचा था, लेकिन दुकान प्रांगण में फंस गया था। इस दौरान एक युवक ने अपने ट्रैक्टर से ट्रक को टोचन देकर बाहर निकाला, लेकिन इस दौरान ट्रैक्टर चला रहा युवक बुरी तरह से घायल हो गया। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और पीड़ित के परिजनों ने ट्रक को बंधक बना लिया और इलाज का पूरा खर्च उठाने की मांग करने लगे। आज घटना के चार दिन बाद नागरिक आपूर्ति निगम के डीएमओ ग्रामीणों से सुलह करने पहुंचे थे लेकिन बात नहीं बनी और उन्हें खाली हाथ वापिस लौटना पड़ा।

बता दें कि नागरिक आपूर्ति निगम के डीएमओ किरण दास आज दोपहर 2 बजे गांव पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की, लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका। ग्रामीणों की मांगों को डीएमओ मानने के मूड में नहीं दिखे, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। डीएमओ की प्राथमिकता पीड़ित ट्रैक्टर चालक जितेंद्र के बजाय ट्रक और राशन की सुरक्षा पर अधिक थी, जिससे ग्रामीणों में और असंतोष फैल गया। इस बीच, पंडरा माली समाज ने भी पीड़ित परिवार के समर्थन में मोर्चा खोल दिया है।

आज बातचीत के दौरान पीड़ित जितेंद्र की पत्नी ने नान डीएमओ के सामने स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक इलाज का पूरा खर्च नहीं दिया जाएगा, तब तक वह ट्रक अपने कब्जे में रखेंगे। इससे पहले रविवार को अमलीपदर थाना प्रभारी जय सिंह ध्रुवे राजस्व अफसरों के साथ गांव पहुंचकर मान-मनव्वल करने की कोशिश की, इलाज का खर्च मांग रहे परिवार को 40 हजार जुटाकर देने का प्रयास किया गया, लेकिन परिवार और ग्रामीण घायल के उपचार का पूरा खर्च मांग रहे है।

अमलीपदर थाना प्रभारी जय सिंह ध्रुवे ने कि घटना की तारीख के बाद से पीड़ित परिवार को मामला दर्ज कराने के लिए कहा जा रहा है, इसपर उनका कहना है कि अगर मामला दर्ज हुआ तो उन्हें ट्रक मालिक से इलाज में खर्च नहीं मिल पाएगा। आज फिर जाकर कहा गया है, लेकिन परिवार मानने को तैयार नहीं है।

सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक पर भ्रष्टाचार का आरोप

गरियाबंद। मैनपुर जनपद के अंतर्गत बिरीघाट पंचायत एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार ग्रामीणों ने पंचायत के सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक पर गंभीर भ्रष्टाचार और मनमानी का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने 19 बिंदुओं पर आधारित एक लिखित शिकायत के साथ आज जनपद कार्यालय मैनपुर पहुंचकर जनपद सीईओ और मैनपुर एसडीएम के समक्ष आरोप दर्ज कराया है।

शिकायत में बताया गया है कि वाटर सप्लाई के नाम पर 10 लाख रुपये का आहरण किया गया, वहीं अपने करीबी लोगों के नाम पर बिल लगाकर राशि निकाली गई। सीसी सड़क निर्माण में फर्जी राशि आहरण और रोजगार सायिका पर दोहरी नागरिकता का गंभीर आरोप लगाया है।

वहीं इस मामले पर जनपद पंचायत मैनपुर के सीईओ डीएस नागवंशी ने शिकायत को उच्च कार्यालय भेजकर जांच कराने का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

अवैध शराब को लेकर पुलिस की कार्रवाई, 31 लोगों पर एक्शन

भारी मात्रा में शराब और लहान किया नष्ट

कोरबा। कोरबा में पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम पतरापाली में दबिश दी। इस दौरान गाँव में बड़ी मात्रा में कच्ची महुआ शराब बनाते हुए मौके पर धरपकड़ की। पुलिस व आबकारी विभाग की टीम को मौके पर महुआ शराब बनाने का भट्ठा व बड़ी मात्रा महुआ लाहन बरामद किया गया इस कार्यवाही में टीम को 600 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद किया, 3 हज़ार 4 सौ किलो महुआ लाहन को नष्ट किया गया साथ ही 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत धारा 34/1 (क, ख), 34 (2), 59 (क) के तहत कार्यवाही की गई।

वहीं उरगा पुलिस ने भी महुआ शराब तस्करों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की जहां सोमवार को टीम बनाकर सुबह ग्राम चीतापाली के बरभौना नाला के किनारे कच्ची महुआ शराब बना रहे स्थान पर घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही किया गया, जहां आरोपियों द्वारा 20 भट्टी स्थापित कर भारी मात्रा में कच्ची महुआ शराब बनाया जा रहा था,

बताया जा रहा है कि इस नाले में काफी लंबे समय से अभी शराब भट्टी का कारोबार चल रहा था जो आसपास के गांव में महुआ तस्कर सप्लाई कर रहे थे। पुलिस कई बारिश ठिकाने पर दबिश दी है वही कार्यवाही भी हुई है लेकिन अवैध कारोबार के

सौदागर अपनी हरकतों से बात नहीं आ रहे थे जहां पुलिस कार्यवाही करने पहुंचे और पुलिस के पहुंचने देख हड़कंप मच गया और मौके से सभी फरार हो गए। मौके पर 20 शराब भट्टी चूल्हा, उपकरण तथा लगभग 3000 किग्रा महुआ पास को ध्वस्त किया गया और 500 लीटर कच्ची महुआ शराब तथा 19 नग बड़ा गंज, 22 नग बड़ा कड़ाही को जप्त कर अग्रिम कार्यवाही की गई। इसी प्रकार सिविल लाइन पुलिस द्वारा कुल 110 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त कर आरोपी को जेल भेजा ।चौकी कोरबी के द्वारा भी 48 पाव अंग्रेज़ी गोवा शराब जप्त कर आरोपी को जेल दाखिल किया।

कोरबा पुलिस टीम के द्वारा 01 जनवरी 2024 से अब तक कुल 472 प्रकरणों में कुल 7985 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं देसी प्लेन मंदिरा शराब जप्त किया गया।

चना वितरण में गड़बड़ी, 4 महीने से नहीं मिला हितग्राहियों को चना

ग्रामीणों ने की सरपंच के खिलाफ कार्रवाई की मांग

जशपुर। जिले के बगीचा जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत मरंगी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत चना वितरण में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पिछले चार महीनों से उन्हें चना नहीं दिया गया है। उनका दावा है कि पीडीएस का संचालन करने वाला स्व सहायता समूह ग्राम पंचायत के सरपंच के अधीन है और सरपंच ने चने को किराने की दुकान पर बेच दिया, जिसके कारण सैकड़ों ग्रामीणों को उनका हक नहीं मिला।

सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने विक्रता पर गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। पूर्व राशन विक्रेता जितेन्द्र यादव ने भी सरपंच पर आरोप लगाते हुए बताया कि दुकान छोड़ने से पहले 36 बोरी चना गोदाम में सरपंच को जिम्मा दिया गया था। लेकिन सरपंच ने चना को ग्रामीणों को नही बांटा है। ग्रामीण अब सरपंच के खिलाफ कारवाई की मांग कर रहे हैं।

मामले में बगीचा खाद्य निरीक्षक अधिकारी पुष्पेंद्र पटेल ने मीडिया को बताया कि मामले की जानकारी ग्राम पंचायत के सचिव ने दिया है। अधिकारी ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही मौके पर पहुंच कर जांच कर जांच प्रतिवेदन उच्च अधिकारीयों को भेजी जाएगी और जो भी दोषी होगें उन पर कारवाई की जाएगी।

डोम्हरा के सरकारी हाई स्कूल के प्रिंसिपल 3 महीने से गायब लेकिन मिल रही सैलरी

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। भरतपुर विधानसभा अंतर्गत डोम्हरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक स्कूल में प्राचार्य महेश प्रसाद अहिरवार की लगातार अनुपस्थिति का मामला तूल पकड़ते जा रहा है। कांग्रेस ने प्राचार्य के साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने शिकायत के बाद भी मामले में कार्रवाई नहीं होने को गंभीर मामला माना।

मार्च 2024 में मध्य प्रदेश के सीधी थाने में एक 35 वर्षीय महिला ने प्राचार्य महेश प्रसाद अहिरवार के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। तब से प्राचार्य फरार चल रहे हैं। प्राचार्य स्कूल नहीं आ रहे हैं जिससे स्कूल के टीचर और छात्र प्राचार्य की अनुपस्थिति से परेशान हैं। स्कूल का प्रबंधन अस्त व्यस्त हो चुका है। इस घटना के बाद भी प्राचार्य को लगातार वेतन मिल रहा है। आरोपी प्राचार्य को बिना स्कूल आए ही मई और जून महीने का वेतन भी जारी किया गया।

प्राचार्य के गायब होने और सैलरी देने के मामले में कांग्रेस ने शिक्षा विभाग की भूमिका पर सवाल उठाए। कांग्रेस के प्रवक्ता सौरभ मिश्रा ने कहा कि महिला से छेड़छाड़ के आरोप में फरार प्राचार्य को बिना स्कूल आए सैलरी मिल रही है। उन्होंने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी और अन्य उच्चाधिकारियों की लापरवाही के कारण इस तरह के मामले बढ़ रहे हैं। प्राचार्य के साथ जिला शिक्षा अधिकारी पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने कहा कि

प्राचार्य के स्कूल नहीं पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद कलेक्टर और एसपी को इसके बारे में बताया गया था। बिना स्कूल आए सैलरी देने के मामले में विधायक रेणुका सिंह नाराज दिखी।

विधायक रेणुका सिंह ने कहा बिना स्कूल आए सैलरी देने का मामला गलत है, जो भी इस पर दोषी होगा उस पर कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि उन्हें जुलाई में प्राचार्य पर लगे आरोपों की जानकारी मिली थी। जिसके बाद उनका वेतन रोक दिया गया। मिश्रा ने बताया कि प्राचार्य मई और जून में स्कूल में मौजूद थे और उन्होंने ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद 26 जून को तीन दिन तक स्कूल में उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद वह मेडिकल अवकाश पर चले गए। जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने कहा विकासखंड शिक्षा अधिकारी भरतपुर से करवाया है। रिपोर्ट आवश्यक कार्रवाई के लिए जॉइंट डायरेक्टर को भेजा गया है।

प्राचार्य के गायब रहने से बच्चों की पढ़ाई हो रही प्रभावित- इस पूरे मामले का सबसे बड़ा असर स्कूल के छात्रों पर पड़ रहा है। प्राचार्य की अनुपस्थिति और अन्य शिक्षकों की लापरवाही के चलते छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। क्षेत्र की जनता और छात्र संगठन अब इस मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

अपने रहवास में हाथी ले रहे चैन की नींद

कोरबा। छत्तीसगढ़ में वैसे तो आए दिन मानव-हाथी संघर्ष की खबरें आती है। कभी जंगली हाथी जंगल से लगे गांव में घुस जाते हैं तो कभी ग्रामीणों के जंगल में जाने से हाथी उनपर हमला कर देते हैं। लेकिन आज कोरबा के कटघोरा वन मंडल से एक बेहद खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। जंगल के कुछ हाथी अपने रहवास में चैन की नींद सो रहे हैं। इन्हें देखकर यह समझा जा सकता है कि जंगल उनका अपना घर है, वे अपने रहवास में आराम से रहना चाहते हैं। लेकिन जंगलों की कटाई और वहां खनन करने से वे उग्र हो जाते हैं। उनके नींद में लिए गए खूबसूरत वीडियो को देखकर आप भी चाहेंगे कि उनके रहवास में उन्हें चैन से रहने दिया जाए, बिना किसी दखल के।

गौरतलब है कि कोरबा कटघोरा वन मंडल में 7 वन परिक्षेत्र आते हैं, जिसमें 4 वन परिक्षेत्र केंदई, पसान ,ऐतमा नगर और जटगा में 4 सालों से 48 हाथी जमे हुए हैं। इस खूबसूरत लम्हे का फोटो और वीडियो केंदई रेंज के बीट गार्ड अशोक श्रीवास ने चोटिया बीट में अपने ड्रोन कैमरे में कैद किया है। क्षेत्र में लगभग 48 हाथियों का रहवास है, जिनमें से कुछ हाथी आराम करते देखे गए हैं।

वही वन विभाग लगातार हाथी प्रभावित आसपास क्षेत्र में मुनादी करा रही है, ताकि ग्रामीण जंगल की ओर न जाएं, जंगल में इंसानी दखल से हाथी उग्र हो जाते हैं और जनहानि होने की संभावना बनी रहती है। ऐसे में वन कर्मी भी लगातार हाथियों पर नजर रखे हुए हैं।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बदमाशों ने डॉक्टर का रास्ता रोककर की बेदम पिटाई

अंबिकापुर। सरगुजा जिला के अंबिकापुर नगर में बदमाशों ने घर जा रहे डॉक्टर का रास्ता रोककर पिटाई कर दी। डॉक्टर की पिटाई से आक्रोशित अन्य डॉक्टर रात में ही गांधीनगर थाना पहुंचकर बदमाशों को पकड़ने व कड़ी कार्रवाई करने की मांग करने लगे। पुलिस ने मारपीट में शामिल दो नाबालिक युवकों को पकड़ा है। वहीं, की तलाश की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, अंबिकापुर नगर के केडी अस्पताल के संचालक डॉक्टर सुशील मिश्रा रविवार की रात अस्पताल से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान गांधीनगर थाना क्षेत्र के दत्ता कॉलोनी में बदमाशों ने डॉक्टर का रास्ता रोक लिया और जमकर पिटाई कर दी। इधर डॉक्टर की पिटाई से नाराज अंबिकापुर के कई डॉक्टर रात में ही गांधीनगर थाना पहुंच गए और जब तक आरोपियों को पुलिस पकड़ नहीं लेती वह थाना से नहीं जाने की बात कही। पुलिस ने आनन-फानन में मामले में दो नाबालिग आरोपियों को पकड़ लिया है। पुलिस नाबालिक युवकों से पूछताछ कर ही है। पुलिस ने जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तार करने की बात कही है।

दर्रीघाट-कोरबा हाइवे पर 20 गाय आई हाइवा की चपेट में

बिलासपुर। मस्तुरी थाना क्षेत्र के ग्राम दर्रीघाट से कोरबा के बीच निर्माणाधीन हाइवे पर ग्राम एरमसाही के पास सुबह लगभग पांच बजे एक हाइवा की चपेट में 20 से अधिक गायें आ गई जिससे 18 की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद से ग्रामीणों का आक्रोश फूट बड़ा और वे चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास करती रही, काफी मानमनौव्वल के बाद भी वे माने।

रेलवे स्टेशन में सीसीटीवी मॉनिट्रिंग करने वाला कोई नहीं

दुर्ग। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन के दुर्ग रेलवे स्टेशन में लगे सीसीटीवी कैमरे को मॉनिटर करने वाला कोई नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि आरपीएफ ने जिस एक महिला स्टॉफ की यहां ड्यूटी लगाई है उनकी ड्यूटी दो अन्य जगहों पर भी लगाई जाती है। अब सवाल ये है कि जब उक्त स्टॉफ प्लेटफार्म में ड्यूटी करने आएंगे तो वहां सीसीटीवी को मॉनिटर करने वाला कौन होगा। दरअसल रेलवे स्टेशन में सीसीटीवी कैमरे को लगातार मॉनिटर करने के लिए एक अलग स्टॉफ की ड्यूटी लगाई जाती है। सीसीटीवी में यदि कोई अवैध वेंडर या कोई संदिग्ध व्यक्ति नजर आता है तो वे इसकी तत्काल सूचना प्लेटफार्म में मौजूद ऑन ड्यूटी स्टॉफ को देते है। लेकिन दुर्ग रेलवे स्टेशन का आलम ये है कि यहां एक ही स्टॉफ से माई सेल्फी, पीएफ और सीसीटीवी मॉनिट्रिंग की ड्यूटी लगाई जाती है, यही कारण है कि ये कमरा ज्यादातर बंद ही रहता है।

केशकाल घाटी में 50 घंटे से लगा जाम

कोंडागांव। केशकाल घाटी में शनिवार रात से लगा जाम अब तक नहीं हट सका है, जिससे मालवाहक वाहनों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घाट के सातवें मोड़ पर एक ट्रक के खराब होने से यह जाम शुरू हुआ, जो अब लगभग 50 घंटे से जारी है। केशकाल थाना प्रभारी विकास बघेल ने बताया कि रायपुर से जगदलपुर जाने वाली गाड़ियों को दादरगढ़ के पास और जगदलपुर की ओर आने वाली गाड़ियों को बटराली और फरसगांव के पास रोक दिया गया है। केवल बसों और छोटे वाहनों को ही आवाजाही की अनुमति दी जा रही है। इस जाम से मालवाहक वाहन दोनों ओर फंसे हुए हैं, जिससे व्यापारिक गतिविधियों पर भी असर पड़ रहा है। रविवार से केशकाल घाट की सड़क के नवीनीकरण का काम शुरू हो गया है, जिससे स्थिति और भी जटिल हो सकती है। प्रशासन जाम हटाने के प्रयास में जुटा हुआ है, ताकि जल्द से जल्द यातायात बहाल किया जा सके।

सांप काटने से युवक की मौत चिता पर जिंदा सांप को जलाया

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक जहरीले सांप के काटने से 22 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारी के मुताबिक बैगमार गांव में शनिवार रात को डिगेश्वर राठिया नाम का व्यक्ति अपने घर में सोने के लिए बिस्तर लगा रहा था। उसी दौरान एक करैत ने उसे काट लिया। राठिया ने अपने परिवार के सदस्यों को इसके बारे में बताया। घरवाले उसे कोरबा के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान रविवार सुबह युवक की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि युवक की मौत के बाद उसके शव का पोस्टमॉर्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया गया। इधर घटना के बाद ग्रामीणों ने सांप को ढूंढकर पकड़ लिया और उसे अपने कब्जे में रखा। लोगों ने सांप को एक डंडे से लटकी रस्सी से बांध दिया। युवक की शवयात्रा उसके घर से श्मशान घाट तक निकाली गई, तो ग्रामीण सांप को भी घसीटकर वहां ले गए और युवक की चिता पर ही सांप को जिंदा जला दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी आया।

सरकारी अस्पताल देवभोग में 6 नन्हे फरिश्तों की गूंजी किलकारी

■ 15 घंटे के भीतर 6 महिलाओं की हुई सफल डिलीवरी

देवभोग। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष रूप से रूचि रखने और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा स्वास्थ्य विभाग में जनहित कार्यों और जन-सुविधाओं के पर्यवेक्षण रखने के बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। अब लोगों को दूर जाए बिना ही घर के आसपास ही शासकीय अस्पताल में स्वास्थ्य जांच एवं इलाज की सभी सुविधाएं मिल रही हैं। वर्तमान में प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। इसका सुखद परिणाम भी सामने आ रहा है। इसी कड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग में 6 महिलाओं की सफलतापूर्वक डिलीवरी कराई गई। मेडिकल टीम की सकुशल मेहनत और प्रयास से 6 नन्हे फरिश्तों ने जन्म लिया। सभी नवजात शिशु पूरी तरह स्वस्थ है। शिशुओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच कर सभी का प्रारंभिक टीकाकरण किया गया है।

दरअसल देवभोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 21 सितंबर दोपहर 1.30 बजे से 22 सितंबर के दोपहर 3 बजे तक 15 घंटे में 6 सुरक्षित प्रसव कराया गया। शुरू के डेढ़ घंटे में ही 4 प्रसव करा लिए गए थे। 15 घंटे के भीतर 6 महिलाओं की सफल डिलीवरी जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग के डॉक्टरों की टीम ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई। साथ ही एक दूसरे का हौसला अफजाई भी किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गार्गी यदु पाल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में डॉक्टरों की टीम ने विशेष रणनीति बनाकर महिलाओं की सफल डिलीवरी करने में विशेष भूमिका निभाई। इस उपलब्धि के लिए कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टाफ की टीम को बधाई देते हुए जिले में निरंतर उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही गंभीरता एवं सक्रियता पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए मेडिकल टीम की प्रशंसा भी की।

उल्लेखनीय है कि राज्य के मैदानी सहित दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में भी सक्रियता के साथ स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है। गांवों में स्थित प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित की गई हैं। साथ ही आवश्यक मेडिकल जांच एवं निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध की गई है। जिससे लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। साथ ही डॉक्टर एवं मेडिकल टीम भी सक्रिय होकर काम कर रही हैं। जिससे लोग शासकीय अस्पतालों में उम्मीदों एवं विश्वास के साथ इलाज कराने आ रहे हैं। इसके फलस्वरूप लोगों को अपने गांव के आसपास ही शासकीय अस्पतालों में आसानी से मूलभूत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल पा रहा है।

बलौदाबाजार में 30 तक आयुष्मान पखवाड़ा

■ गांव गांव में होगा विशेष शिविरों का आयोजन छूटे हुए हितग्राहियों पर रहेगा विशेष ध्यान

बलौदाबाजार। प्रदेश मेंआम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना तथा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का क्रियान्वयन हो रहा है। इस सम्बंध में लगातर लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाए रहे हैं। पूर्व में कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर घर-घर जा कर कार्ड बनाये जाने का अभियान क्रियान्वित किया गया था। उसी दौरान छूटे हुए हितग्राहियों का सर्वे भी किया गया। अब एक बार पुन: जिले में 30 सितंबर तक छूटे हुए परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु आयुष्मान पखवाड़ा शुरू किया गया है।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छूटे हुए परिवारों का शत- प्रतिशत

आयुष्मान कार्ड न केवल बनाएं जाए बल्कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बने हुए कार्ड संबंधित हितग्राहियों को समय पर प्राप्त हों। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार अवस्थी ने बताया की इस हेतु मितानिन,एम टी ,स्वास्थ्य कर्मी जुटे हुए हैं तथा घर-घर जा कर कार्ड बनाया जा रहा है। इस कार्य मे पंचायत के जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जा रहा है। योजना के लाभ और उसकी आवश्यकता का भी प्रचार-प्रसार मितानिन एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता कर रहे हैं। इसके लिए गांव गांव में दीवार लेखन एवं मुनादी भी कराया जा रहा है। यह कार्ड जिले के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,जिला अस्पतालों में भी बन रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री ने रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रसिद्ध साहित्यकार, शिक्षाविद और राज्यसभा सांसद पद्म भूषण रामधारी सिंह दिनकर की 23 सितम्बर को जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दिनकर जी ऐसे लेखक थे, जिनमें राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक चेतना के साथ साथ सांस्कृतिक चेतना भी गहरे रूप से मौजूद थी। उन्होनें भारत की स्वतंत्रता से पहले अपनी प्रेरक कविताओं के माध्यम से लोगों में राष्ट्रवाद की भावना जागृत की। दिनकर जी ओज, विद्रोह, आक्रोश के साथ ही कोमल श्रृंगारिक भावनाओं के कवि थे। उनकी प्रेरक देशभक्ति की रचनाओं के कारण उन्हें राष्ट्रकवि भी कहा जाता है। श्री साय ने कहा कि दिनकर जी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी को पहचान दिलाई। उन्होंने संसद में आम आदमी से जुड़े मुद्दों को जोरशोर से उठाया। उनकी रचना संस्कृति के चार अध्याय के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार और उर्वशी के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिनकर जी का साहित्य और समाज के लिए योगदान विशेषकर हिन्दी को प्रतिष्ठा दिलाने में उनकी भूमिका को हमेशा याद किया जायेगा।

लोहारीडीह घटना की दण्डाधिकारी जांच

रायपुर। कबीरधाम जिले के ग्राम लोहारीडीह में 15 सितंबर 2024 को श्री शिवप्रसाद साहू की मृत्यु उपरांत घटित आगजनी में श्री रघुनाथ साहू की मृत्यु होने के कारण उक्त घटनाक्रम के संबंध में दंडाधिकारी जांच के लिए अतिरिक्त कलेक्टर श्री निर्भय साहू को दंडाधिकारी जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। अतिरिक्त कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री साहू ने बताया कि इस जांच बिन्दु से संबंधित जानकारी रखने वाले व्यक्ति 24 सितंबर 2024 से 04 अक्टूबर 2024 तक सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर पूर्वान्ह 11 बजे से सांय 5 बजे तक कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कबीरधाम के कक्ष क्रमांक 17 में उपस्थित होकर लिखित अथवा मौखिक साक्ष्य एवं अभिलेख प्रस्तुत कर सकते हैं। घटना जांच के लिए निर्धारित बिन्दुओं में घटना का सिलसिलेवार विचरण। सम्पूर्ण घटना किन परिस्थितियों में हुई। घटना के क्या कारण थे। भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो या अन्य कोई सुझाव या जांच अधिकारी अन्य बिन्दुओं को शामिल करना उचित समझे।

आकाशीय बिजली गिरने से 4 स्कूली बच्चे समेत 8 लोगों की मौत

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में आसमान से बिजली गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 स्कूली बच्चे और 4 ग्रामीण हैं। बताया जा रहा कि आज दोपहर बारिश से बचने के लिए सभी लोग खंडहर में रुके थे, तभी आकाशीय बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई। यह घटना जोरातराई गांव की है। मिली जानकारी के अनुसार, इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंच गए हैं। राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। इस हादसे के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है।

वार्डों में डंप हो रहे कचरे, वार्डवासियों ने किया हाईवे जाम

जगदलपुर। शहर के वार्डों में नगर निगम द्वारा कचरा डंपिंग का मुद्दा बढ़ता जा रहा है। रविवार को गंगानगर वार्ड के पार्षद और वार्डवासियों ने गीदम रोड पर कचरा डालकर प्रदर्शन किया। वहीं आज छत्रपति और महाराणा प्रताप देव वार्ड में महीनों से चल रहे विरोध के बाद वार्डवासियों ने वार्ड में कचरा डालने पर वन विभाग के सामने नेशनल हाईवे पर चक्काजाम किया। यह जाम लगभग एक घंटे तक रहा, जिससे पूरी तरह से आवागमन बाधित रहा। जाम की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने तहसीलदार को मौके पर भेजा। तहसीलदार ने आंदोलनकारियों से बातचीत की। इस दौरान पार्षदों और वार्डवासियों ने मांग की कि शहर का कचरा उनके वार्ड में न डाला जाए। तहसीलदार ने आश्वासन दिया कि अब वहां कचरा डंप नहीं किया जाएगा, जिसके बाद आवागमन की बहाली हुई। हाल के दिनों में वार्डवासियों ने कचरे के कारण गंभीर समस्याएं झेली है। तालाब में डंप किए गए कचरे के कारण पानी इतना दूषित हो चुका है कि नहाने वाले लोगों को त्वचा पर बड़े दाने निकल रहे हैं। कई लोग कचरे की बदबू से बीमार भी हो चुके हैं।

इंद्र और शिववास योग में शारदीय नवरात्र 3 अक्टूबर से

रायपुर। नवरात्र की शुरुआत पर हस्त और चित्रा नक्षत्र, इंद्र योग और शिववास योग का संयोग बन रहा है। भगवान शिव कैलाश पर्वत पर मां गौरी के साथ विराजमान रहेंगे। इन शुभ संयोगों में देवी पूजन करने से अक्षय फल की प्राति होगी। अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 2 अक्टूबर की रात्रि 12.18 प्रारंभ होकर 3 अक्टूबर की रात्रि 2.58 बजे तक रहेगी। चूंकि उदयाकाल यानी सूर्योदय पर पडने वाली तिथि को महत्व दिया जाता है, इसलिए 3 अक्टूबर को सुबह से घट स्थापना कर सकेंगे। इस वर्ष भी बिना वृद्धि किए जोत पंजीयन की राशि 700 से 751 रुपये ही रखी गई है। मंदिरों में जोत प्रज्वलित कराने रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। महामाया मंदिर के पुजारी पं.मनोज शुक्ला ने बताया कि 3 अक्टूबर से नवरात्र का शुभारंभ हो रहा है। घट स्थापना मुहूर्त सुबह 6.15 से 7.22 बजे तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11.46 से 12.33 बजे तक रहेगा। पूरे नौ दिनों की नवरात्र का समापन नवमीं तिथि, 11 अक्टूबर को कन्या पूजन, भंडारा प्रसादी के साथ होगा। अगले दिन 12 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाया जाएगा।

मतदान के प्रति जन-जागरूकता लाने विशेष अभियान

बलरामपुर जिले में जाबो (जागव बोटर) कार्यक्रम अंतर्गत किया जा रहा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

बलरामपुर। नगरीय निकाय एवं पंचायत आम चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए बलरामपुर जिले में जाबो (जागव बोटर) कार्यक्रम अंतर्गत व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन की ओर से चुनाव के लिए गांव-गांव में मतदाता जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में जमीनी स्तर पर ग्रामीणों, आम नागरिकों, नव मतदाताओं को मतदाता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों से लेकर नगरीय क्षेत्रों तक अभियान चला कर लोगों को मतदान के लिए सब काम छोड़ मतदान करो की सीख दी जा रही है।

शिक्षा विभाग द्वारा रैली, मानव श्रृंखला, निबंध, लेखन, रंगोली एवं चित्रकला के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। मतदान के महत्व पर प्रकाश डालते

हुए स्कूल के सभी छात्र-छात्राएं अपने घर मोहल्ले में मतदान करने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे है। रैली के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों द्वारा युवा, बुजुर्ग और महिलाओं को मतदान करने की अपील की जा रही है। साथ ही मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को अपने अमूल्य मत का प्रयोग करने जागरूक कर रहें हैं। जिसमें बताया जा रहा है कि चाहे वो 80 वर्ष से उपर के व्यक्ति हो या दिव्यांग हो या फिर 18 वर्ष पूर्ण कर चुके हो वे मतदान का उपयोग अवष्य करें।

विद्यार्थियों ने पेंटिंग के माध्यम से संदेश दिया कि लोकतंत्र में मतदान मतदाता का सबसे बड़ा अधिकार है। मतदाता को इस अधिकार का उपयोग अवश्य करना चाहिए। इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ें और अधिक मजबूत होती हैं। बच्चों ने मतदाता जागरूकता बैनर, पोस्टर बनाने में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और जागरूक करने नये-नये तरीकों के माध्यम से मतदाताओं को लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी के संदेश को रचनात्मकता के साथ प्रदर्शित भी किया।

रंगोली प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए मतदान के प्रति जागरूक किया। छात्र-छात्राओं ने विषयानुकूल सुंदर एवं आकर्षक रंग संयोजन के साथ अपनी कला का प्रदर्शन किया। जिसमें मतदाताओं को जागरूक करने अनिवार्य रूप से वोटिंग करने, मतदान द्वारा जिले, राज्य, देश को सशक्त बनाने आदि विषयों पर केंद्रित रंगोली बनाई गई। साथ ही ग्रामीण अंचल का चित्रण कर घर में बैठे महिलाओं को मतदान के लिए प्रेरित करते हुए दिखाया गया। जबकि कुछ में ईवीएम, वीवीपैट का चित्रण कर मताधिकार का प्रयोग करने का संदेश दिया गया। ग्राम पंचायतों में ग्रामीण स्तर पर दीवार लेखन के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके तहत विभिन्न पारा, मोहल्ले में दीवारों पर नारों, स्लोगन के जरिए मतदान के विभिन्न आयाम एवं फायदे के बारे में बताया जा रहा है। विभिन्न प्रकार की दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है। मतदाता जागरूकता के लिए प्रशासन द्वारा जगह जगह पर चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। ताकि शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को सार्थक किया जा सके।

राज्य में अपराधी बेलगाम, सरकार का नहीं दिख रहा नियंत्रण : दीपक बैज

भाजपा अध्यक्ष किरण देव ने कहा- कांग्रेस सरकार में छत्तीसगढ़ बना था अपराध का गढ़

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बढ़ती घटनाओं और तेलीबांधा में हत्या को लेकर सियासत तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही चाकूबाजी की घटना को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य में अपराधी बेलगाम हो गए हैं। सरकार का नियंत्रण नहीं दिख रहा। जनता में इस बात को लेकर आक्रोश है। सरकार अपराधियों को संरक्षण देने में लगी है। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा, घटनाओं को रोकने सभी प्रकार से सरकार उपाय कर रही है। 5 वर्ष तक कांग्रेस की सरकार रही है। उस समय छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बना था। उस समय भ्रष्टाचार, अत्याचार, दुराचार हुआ तभी तो जनता ने 5 साल में उखाड़ कर फेंक दिया। साय सरकार की सुशासन का फायदा जल्द ही मिलेगा।

राजधानी के दीनदयाल ऑटोडोरियम में भाजपा का सदस्यता अभियान कार्यक्रम रखा गया है। इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा, निरंतर सदस्यता अभियान को गति मिल रही है। हमारे बूथ स्तर का अभियान सफलता पूर्वक संपन्न हो रहा है। डबल इंजन की सरकार प्रधानमंत्री के कार्य योजना और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के सुशासन का लाभ सभी तबके को मिल रहा है।

'सरकार वही कर रही जो जनता के हित में उपयोग हो'

भूपेश बघेल के राजनीति खत्म करने वाले आरोप पर किरण देव ने कहा, यह उनका भविष्य है। भाजपा निश्छल रूप से सबकी चिंता करने का काम किया है। विकास जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, सरकार वही कर रही, जो जनता के हित में उपयोगी हो। साहू समाज के प्रदर्शन पर किरण देव ने कहा, कवर्धा की घटना को भाजपा सरकार ने गंभीरता से लिया है। सारे उपाय उठाए जा रहे हैं, ताकि घटना के सारे तथ्य सामने आ जाए। जो दोषी है वह दंडित होंगे। उसे लेकर कोई राजनीति नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्री ने मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का किया निरीक्षण

केन्द्र एवं राज्य सहयोग से 200 करोड़ में बन रहा 10 मंजिला अत्याधुनिक अस्पताल

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज बिलासपुर में सिम्स के विस्तार के रूप में कोनी में बन रहे मल्टी स्पेश्यालिटी हास्पिटल भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने 31 अक्टूबर 2024 तक तमाम निर्माण, खरीदी एवं भर्ती के कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि राज्य स्थापना सप्ताह के दौरान इसका लोकार्पण किया जा सके। उन्होंने अस्पताल भवन एवं अब तक उपलब्ध की गई सुविधाओं का सूक्ष्मता से अवलोकन किया।

उल्लेखनीय है कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की संयुक्त वित्तीय भागीदारी से लगभग 200 करोड़ रूपये की लागत से इस अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। छह गंभीर रोगों के मरीजों के इलाज के लिए इसमें 240 बेड की सुविधा है। नया मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल ग्राउण्ड फ्लोर सहित 10 मंजिलों में बना है। मंत्री ने सभी मंजिलों में बने सुविधाओं और मशीन उपकरणों का निरीक्षण किया। सिम्स के इस विस्तारित अस्पताल भवन में छह विशेषज्ञ वाले

विभाग- नेफोलॉजी, यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, सीटीव्हीएस, न्यूरोलॉजी और न्यूरो सर्जरी शामिल हैं। भवन का निर्माण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग और उपकरणों की खरीदी केन्द्र सरकार की एजेन्सी हाईट्स द्वारा की जा रही है।

श्री जायसवाल ने अस्पताल शुरू करने के पहले फॉयर ऑडिट और लिफ्ट की ऑडिट कराने लेने के निर्देश दिए। मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के ग्राउण्ड फ्लोर में रेडियोलॉजी एवं केजुअल्टी की व्यवस्था है। पहले और दूसरे मंजिल में ओपीडी, तीसरी मंजिल में प्रशासनिक भवन, चौथी मंजिल में ऑपरेशन थियेटर और कैथलैब, पांचवी मंजिल में सर्विसेस के साथ छठवें से दसवें तक मेडिकल वार्ड होंगे। उन्होंने अस्पताल में ट्रायल शुरू करने के निर्देश दिए ताकि जो कमियां सामने आएंगी उन्हें समय रहते सुधारा जा सके। उन्होंने समीप में ही बन रहे कैंसर इंस्टीट्यूट भवन की भी जानकारी ली और मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सिम्स का नया भवन भी इसी परिसर में बनेगा। राज्य सरकार द्वारा इसके लिए 700 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस अवसर पर विधायक श्री सुशांत शुक्ला, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ , कमिश्नर चिकित्सा शिक्षा श्रीमती किरण कौशल, संचालक स्वास्थ्य श्री ऋषुराज रघुवंशी, एमडी सीजीएमएससी श्रीमती पद्मिनी भोई, एनएचएम के एमडी श्री जगदीश सोनकर , संयुक्त सचिव श्री अभिजीत सिंह और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

■ राजधानी में अंबिकापुर के युवक की हत्या

रायपुर। राजधानी के मरीन ड्राइव के पास सोमवार सुबह अम्बिकापुर के युवक ईश्वर राजवाड़े की हत्या होने पर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ के डीजीपी अशोक जुनेजा से बात की है। सिंहदेव ने कहा, प्रदेश की राजधानी के मुख्य पर्यटन क्षेत्र में थाने से चंद कदमों की दूरी पर घटित यह घटना हतप्रभ करने वाला है।

उन्होंने कहा कि इस घटना से मैं भौचक्का रह गया हूं। छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए टीएस सिंहदेव ने कहा कि ऐसी बुरी स्थिति छत्तीसगढ़ में कभी नहीं रही। सरगुजा निवासी ईश्वर राजवाड़े की इस तरह दिनदहाड़े हत्या से मन आहत है। घटना की जानकारी होते ही उन्होंने छत्तीसगढ़ के डीजीपी अशोक जुनेजा को फोन कर इस मामले में त्वरित कार्रवाई कर अपराधियों को गिरफ्तार करने की बात कही है।

बता दें कि सरई टिकरा निवासी ईश्वर

राजवाड़े शासकीय कार्य से अपने अधिकारी को लेकर प्रदेश की राजधानी रायपुर आया था। आज सुबह वह रायपुर के तेलीबांधा तालाब के पास मॉर्निंग वॉक के लिए गया था, जहां मोटरसाइकिल सवार तीन लुटेरों ने उसकी मोबाइल लूटने के प्रयास में उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई कर जांच में जुट गई है। वहीं अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए सीसीटीवी कैमरे की भी मदद ली जा रही है। बता दें कि इससे पहले बीते दिनों ही एक सिरफिरे युवक ने तेलीबांधा तालाब के पास ही एक युवती को चाकू मारकर घायल कर दिया था। इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया था।

छत्तीसगढ़ में सीबीआई की लिमिट तय होने पर पीसीसी चीफ बैज ने उठाए सवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सीबीआई की लिमिट तय होने पर सियासत गर्म हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने साय सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि सीबीआई की एंट्री पर राज्य और केंद्र सरकार के बीच तालमेल नहीं है। सीबीआई की एंट्री केवल कांग्रेस के लिए है।

बैज ने कहा, राज्य में हो रहे लेन-देन से बचने का यह रास्ता है। कांग्रेस सरकार में सीबीआई बैन पर भाजपा सवाल उठाती रही। भाजपा सरकार में सीबीआई की सीमा क्यों तय हुआ, इसका जवाब दें। बता दें कि छत्तीसगढ़ में सीबीआई बैन था। भाजपा की सरकार आते ही इस बैन को हटा दिया गया। वहीं राज्य सरकार ने सीबीआई की लिमिट भी तय की है।

भारतीय न्याय संहिता के प्रावधान के तहत राज्य सरकार ने 9 सितंबर को अधिसूचना जारी की है। इसके मुताबिक, अब सीबीआई राज्य सरकार के अधीन लोक सेवकों से संबंधित मामलो में लिखित अनुमति के बिना जांच नहीं कर सकेगी।

राज्य सरकार ने सीबीआई के लिए ये शर्त रखी है कि छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा नियंत्रित लोकसेवकों से संबंधित मामलों में राज्य सरकार की पूर्व लिखित अनुमति के बिना ऐसा कोई अन्वेषण नहीं किया जाएगा, जैसा कि केंद्र सरकार या केंद्रीय उपक्रमों के अफसर, कर्मियों संबंधित मामलों में करने की अनुमति है। सूत्रों के अनुसार, अब राज्य सरकार जो मामले जांच के लिए सीबीआई को सौंपेगी, उन मामलों की ही जांच यह केंद्रीय संस्था कर पाएगी।

कवर्धा के लोहारडीह पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू

कवर्धा। जिला कबीरधाम में हुए लोहारडीह घटना ने शासन और प्रशासन की नींद उड़ा रखी है। सरकार की ओर से मंत्री और विधायक लागातार घटनास्थल का दौरा कर हालात का जायजा ले रहे हैं। मृतक के परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दे रहे हैं। इसी कड़ी में सोमवार को केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू भी लोहारडीह गांव पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनको न्याय दिलाने का भरोसा दिया है।

कवर्धा के लोहारडीह गांव में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने मृतक रघुनाथ साहू, मृतक प्रशांत साहू और मृतक शिवप्रसाद के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान रघुनाथ साहू के परिजनों ने मंत्री को आपबीती बताई। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से उनके घर में आग लगाकर उनके पिता की हत्या करने वाले आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। मृतकों के परिजनों से मुलाकात के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा, लोहारडीह की घटना बहुत दुखद और अप्रत्याशित है। पीड़ित परिवार से मिला हूं। बातचीत किया हूं। सब लोग यही कह रहे हैं कि मृतकों को न्याय मिलना चाहिए। पीड़ित परिवारों ने भी केंद्रीय मंत्री तोखन साहू को अपनी मांगों के संबंध में बताया है और उचित कार्वाई की मांग की है। तोखन साहू ने कहा मैंने सबको आश्वस्त किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच होगी। सभी को न्याय मिलेगा। मुख्यमंत्री ने पहले ही मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं। एक महीने में सभी रिपोर्ट को पेश करेंगे। जो दोषी पाए जाएंगे, उन पर कार्रवाई होगी।

महिला स्व सहायता समूह ने मेहनत और हौसले से किया व्यवसाय स्थापित

रायपुर। महासमुंद जिला के ग्राम पंचायत कांपा की जय मां दुर्गा महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की अनोखी मिसाल पेश की समूह की महिलाओं ने मेहनत और हौसले से फ्लाई एश ब्रिक्स निर्माण का व्यवसाय स्थापित किया है। समूह की अध्यक्ष श्रीमती अहिल्या साहू और सचिव श्रीमती कल्याणी दुबे ने बताया कि उन्होंने अपने व्यवसाय के लिए बिहान योजना के तहत आर्थिक मदद प्राप्त की। उनके समूह में 10 महिलाएं और उन्होंने एक ऑपरेटर भी रखा है।

बिहान योजना से मिली आर्थिक सहायता का सही उपयोग करते हुए, कल्याणी और उनके समूह ने व्यवसाय को मजबूती से खड़ा किया। इस समूह के द्वारा अब तक लगभग तीन लाख फ्लाई ऐश ब्रिक्स (ईंट) का निर्माण कर लिया गया है, जिसको सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं में विक्रय कर चुकी है। इस व्यवसाय की शुरुआत में समूह

को 1,50,000 रुपये की शुद्ध आय हुई। यह आय न केवल समूह के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक संबल बनी, बल्कि इसे महिलाओं के लिए एक नया मार्गदर्शन भी दिया कि वे भी अपने व्यवसाय को शुरू कर सकती हैं और आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने अपने दृढ़ निश्चय से यह साबित कर दिया कि कोई भी चुनौती असंभव नहीं होती, यदि उसमें मेहनत और हौसला हो। फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण जैसे मर्दों के व्यवसाय में कदम रखकर उन्होंने यह दिखाया कि महिलाएं किसी भी क्षेत्र में सफल हो सकती हैं। उनका यह कार्य अन्य स्व सहायता समूहों के लिए प्रेरणा बन चुकी है, और जिले में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रतीक बन गई हैं।

जय मां दुर्गा महिला स्व सहायता समूह ने इस सफलता के साथ यह संदेश दिया है कि सही दिशा में मेहनत, हिम्मत, और आर्थिक सहयोग से महिलाएं भी किसी भी व्यवसाय में ऊँचाइयों को छू सकती हैं। ये महिलाएं विभिन्न काम करके अपने परिवारों को पालने और अपने जीवनस्तर में सुधार करने का संघर्ष कर अपनी किस्मत बदल रही है और समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

10 से ज्यादा जिलों में हेवी रेन का अलर्ट

■ 24 से 48 घंटों के लिए येलो अलर्ट जारी

रायपुर। रायपुर सहित छत्तीसगढ़ के दूसरे जिलों में पिछले कुछ दिनों से बारिश नहीं होने के कारण उमस और गर्मी बढ़ गई है। मौसम विभाग की मानें तो मानसून का सीजन सितंबर तक रहने वाला है। अक्टूबर के महीने से शीत ऋतु की शुरुआत हो जाएगी। सोमवार को मौसम विभाग ने प्रदेश के 10 जिलों के लिए भारी बारिश को लेकर 24 से 48 घंटे का येलो अलर्ट जारी किया है।

भारी बारिश की संभावना- मौसम विभाग ने बताया कि अगले 4 दिनों तक प्रदेश के एक दो स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके साथ ही प्रदेश के अनेक स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने के साथ ही गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण पश्चिम

मानसून की वापसी सोमवार को पश्चिमी राजस्थान और कच्छ के कुछ हिस्सों से हो चुकी है। मानसून वापसी के लिए सामान्य सामान्य डेट 17 सितंबर थी।

मौसम वैज्ञानिक बीके चिंधालोरे ने कहा सोमवार को मध्य पश्चिम बंगाल में एक लो प्रेशर का क्षेत्र बनने की संभावना है। इस लो प्रेशर के बनने से छत्तीसगढ़ में 23 सितंबर से लेकर 26 सितंबर तक प्रदेश के एक दो स्थानों पर भारी वर्षा होने के साथ ही प्रदेश के अनेक स्थानो पर आकाशीय बिजली गिरने गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इस सिस्टम के बाद छत्तीसगढ़ से दक्षिण पश्चिम मानसून की वापसी होने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले के एक दो स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में मौसम विभाग ने 24 से 48 घंटे का येलो अलर्ट जारी कर दिया है।

छत्तीसगढ़ के धमतरी, बालोद, गरियाबंद, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर और बीजापुर जिले के एक दो स्थानों पर माध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है। इन क्षेत्रों में मौसम विभाग ने 48 घंटे के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। इस बीच भारी बारिश से छत्तीसगढ़ के निचले इलाकों के सड़कों पर जलजमाव की स्थिति पैदा हो सकती है। मुख्य रूप से क्षेत्र के शहर में बने अंडरपास बंद हो सकता है। भारी वर्षा के कारण विजिबिलिटी में कमी आ सकती है। सड़कों पर जल जमाव के कारण शहरों में यातायात बाधित होने से यात्रा का समय बढ़ सकता है। कच्ची सड़कों को क्षति पहुंच सकती है।

एक राष्ट्र-एक चुनाव : क्या देश इसके लिए तैयार है?

कल्याणी शंकर

अचानक, मोदी सरकार ने अगले सत्र में संसद में विवादास्पद 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' विधेयक लाने का फैसला किया है। समय बहुत बढिय़ा था क्योंकि इसकी घोषणा उस दिन की गई जिस दिन मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल में 100 दिन पूरे किए। हालांकि यह विचार उचित लगता है और हमें धीरे-धीरे इस अवधारणा की ओर बढऩा चाहिए, लेकिन क्या देश इस विचार के लिए तैयार है? क्या इस तरह के कदम के लिए राजनीतिक दलों में आम सहमति है? क्या मोदी के पास संसद में विधेयक पारित कराने के लिए आवश्यक बहुमत है? जबकि भाजपा शासित राज्यों को मनाना अधिक सुलभ हो सकता है। क्या विपक्ष शासित राज्य इस पर सहमत होंगे? ऐसे कई सवाल हैं। कुल मिलाकर, लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत के लिए आवश्यक संख्या जुटाए बिना, संवैधानिक संशोधन पारित नहीं किया जा सकता है। विपक्षी दल इस अवधारणा के पक्ष में नहीं हैं। इनमें कांग्रेस, वामपंथी दल, तृणमूल कांग्रेस और क्षेत्रीय और छोटे दल शामिल हैं। उन्हें डर है कि समकालिक चुनाव भाजपा के पक्ष में हो सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी लगातार चुनावों के कारण होने वाली बाधाओं को रोकने के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा पर जोर दे रहे हैं। मोदी और भाजपा को लगता है कि यह भाजपा के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने अपने पहले 2 कार्यकालों में इसे लाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। इसके अलावा, भाजपा के घोषणापत्रों में भी इस विचार को शामिल करने का वादा किया गया था। सरकार ने पिछले साल पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था। अपनी रिपोर्ट में पूर्व राष्ट्रपति ने सरकार के प्रस्ताव का समर्थन किया है। समिति ने कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक समिति के गठन का सुझाव दिया है। हालांकि सत्तारूढ़ पार्टी और कोविंद समिति इस विचार का समर्थन करती है, लेकिन इस उपाय को संवैधानिक, कानूनी, राजनीतिक और अन्य बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में, राज्य विधानसभाओं और लोकसभा के चुनाव अलग-अलग होते हैं, लेकिन 1952 से 1967 तक, भारत में एक ही चुनाव हुआ था। अलग-अलग चुनाव कराने का यह चलन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के समय में शुरू हुआ था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल करके राज्य सरकारों को बर्खास्त कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप चुनाव चक्र बाधित हो गया था। विधि आयोग 2029 तक सरकार के तीनों स्तरों-लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों में समकालिक चुनाव कराने का प्रस्ताव भी दे सकता है। प्रधानमंत्री के अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मोदी के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर इस प्रस्ताव के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कोविंद समिति ने सभी चुनावों के लिए एक संयुक्त मतदाता सूची का सुझाव दिया है, ताकि मतदाता राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय चुनावों के लिए एक ही सूची का उपयोग करें। इससे मतदाता पंजीकरण में होने वाली त्रुटियों में कमी आएगी। पारदर्शिता और समावेश को बढ़ावा देने के लिए, पैनल का लक्ष्य विभिन्न हितधारकों से प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए देश भर में विस्तृत चर्चा करना है। समिति ने 2 चरणों में कार्यान्वयन का सुझाव दिया है। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभाओं के लिए चुनाव होंगे। दूसरे चरण में स्थानीय निकायों और शहरी स्थानीय निकायों के लिए चुनाव होंगे। विपक्षी दलों ने अभी तक इस पर सहमति नहीं जताई है, क्योंकि उनका मानना है कि एक साथ चुनाव कराने से भाजपा को फायदा होगा। कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। अगली बाधा संविधान में संशोधन की है। यह मुश्किल हो सकता है क्योंकि मोदी के पास लोकसभा में बहुमत नहीं है। संविधान में संशोधन के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, और भाजपा उससे बहुत दूर है। साथ ही, भारत का संविधान इस बात पर चुप है कि चुनाव एक साथ होने चाहिएं या नहीं। तीसरी चुनौती पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती है। चुनाव आयोग को 24 लाख इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों और मतदाता-सत्यापनीय पेपर ऑडिट ट्रेल मशीनों की आवश्यकता होगी।

जम्मू कश्मीरः विकास की राजनीति असर दिखा रही है

मारूफ रजा

जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद लोकतांत्रिक प्रक्रिया देखने को मिल रही है, जहां पहले चरण में कई निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव हुए हैं, तो कई क्षेत्रों में बाकी दो चरण में चुनाव होने वाले हैं। पहले चरण के मतदान में स्थानीय लोगों में जो उत्साह दिखा है, उससे लगता है कि इस केंद्रशासित प्रदेश के लोग अब विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं।

अनुच्छेद 370 के हटने और प्रमुख राजनीतिक दलों के विरोध के बावजूद केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद यह जम्मू-कश्मीर के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है। कश्मीर का अशांत राजनीतिक इतिहास कुछ ऐसा है, जिसे भुलाया नहीं जा सका है और इसलिए जम्मू-कश्मीर के स्थानीय लोगों में थोड़ा संदेह है कि मौजूदा चुनाव कराने के पीछे नई दिल्ली की क्या रणनीति हो सकती है। चूंकि 1977 को छोड़कर चुनाव परिणामों में धांधली के कई उदाहरण देखे जा चुके हैं, इसलिए कई प्रमुख राजनीतिक दल इसका फायदा उठाकर यह दिखाना चाहेंगे कि दिल्ली एक दिखावटी चुनाव कराना चाहती है, ताकि एक ऐसी सरकार बने, जो सत्तारूढ़ भाजपा के सुर में सुर मिलाए, लेकिन जम्मू-कश्मीर के अशांत इतिहास को याद करना महत्वपूर्ण है, जो हमें बताता है कि लोकतंत्र स्थापित करने के प्रयास में इसने कई चुनाव देखे हैं, लेकिन 1977 के चुनावों को छोड़कर अधिकांश चुनावों के नतीजे संदिग्ध रहे हैं। इसमें शेख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस ने स्पष्ट रूप से जीत हासिल की थी, जिसने इंदिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट रूप से हराया था। उनके पहले के शासन में दिल्ली के दबंगों ने हस्तक्षेप किया, जिसके कारण उन्हें 1977 में पुनः निर्वाचित होने तक लंबे समय तक गिरफ्तार रखा गया। लेकिन 1982 में उनकी मृत्यु के बाद उनके पुत्र फारूक ने सत्ता संभाली और श्रीमती गांधी के साथ उनका टकराव हुआ। इसके कारण वहां की चुनी हुई सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। नतीजतन दिल्ली और श्रीनगर के बीच बहुत कड़वाहट पैदा हो गई। राजनीतिक सौदेबाजी और खरीद-फरोख्त के कारण प्रतिद्वंद्वी दलों और उनके मुख्यमंत्रियों द्वारा उम्मीदवारों को खरीदकर लोगों पर थोपा गया। इससे जम्मू-कश्मीर के लोगों ने खुद को ठगा हुआ महसूस किया और

नई दिल्ली द्वारा प्रेरित चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने के बजाय अन्य विकल्पों की तलाश शुरू कर दी। इससे पाकिस्तान को भारत विरोधी भावना भड़काने का मौका मिल गया, और जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद की भावना पनपने लगी और पाकिस्तान के एजेंडे के लिए उपजाऊ मैदान तैयार हो गई।

वर्ष 1987 का चुनाव एक महत्वपूर्ण मोड़ था, जिसके बारे में अधिकांश लोगों का मानना था कि धांधली हुई थी। जमात के कई उम्मीदवार भारतीय लोकतंत्र से निराश होकर पाकिस्तान चले गए, जहां उन्होंने सैन्य आयाम वाले राजनीतिक आंदोलन की शुरुआत की, जिसने आगे चलकर चरमपंथी रूप ले लिया, जो जम्मू-कश्मीर और उसके स्थानीय लोगों, खासकर युवाओं के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। बाद में उनमें से सैकड़ों पाकिस्तान से वापस लौट आए, लेकिन पाकिस्तान में उन्हें सैन्य प्रशिक्षण दिया गया और अलग जम्मू एवं कश्मीर बनाने के लिए उकसाया गया था, जो भारत के विचार के विपरीत था। इसने सैयद सलाउद्दीन के नेतृत्व में कट्टरपंथी हिजबुल मुजाहिदीन जैसे दलों को जन्म दिया, जो 1980 के दशक के चुनावों में बड़े पैमाने पर राजनीतिक धांधली का शिकार बना था, और यासीन मलिक की जेकेएलएफ ने भारत विरोधी कश्मीर आंदोलन को जन्म दिया। इसके बाद पाकिस्तान और आईएसआई ने तीन दशकों तक हिंसक विद्रोह को बढ़ावा दिया, जिससे जम्मू-कश्मीर के आम लोगों का जीवन मुश्किल हो गया और सहिष्णुता की संस्कृति पूरी तरह से खत्म हो गई, जो पहले वहां की पहचान थी। शांति और सद्भाव के साथ समझौता करने के किसी भी प्रयास को अलगाववाद और आजादी के आह्वान से चुनौती दी गई। स्थानीय राजनीतिक नेताओं ने इस भावना का इस्तेमाल अपने समर्थकों को बढ़ाने के लिए किया, ताकि %भारत के विचार% को चुनौती दी जा सके और वे नई दिल्ली से सौदा कर सकें।

उनकी सौदेबाजी की रणनीति का मुख्य आधार था अनुच्छेद 370 और स्वायत्तता। कश्मीरी नेताओं को लगता था कि उन्हें भारतीय संघ के भीतर स्वायत्तता मिली हुई है। उन्होंने स्थानीय लोगों की परेशानियों को दूर करने के लिए कुछ भी नहीं किया। और जब मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के लिए संसदीय प्रस्ताव पेश किया, तो कश्मीर के राजनेता भारत के साथ संबंध तोड़ने की धमकी देते रहे, क्योंकि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेश बना दिया गया। इससे जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी पूरी तरह से हैरान रह गए और पाकिस्तान में बैठे उनके संरक्षक भी बहुत नाराज हो गए। और इसी माहौल में विधानसभा के मौजूदा चुनाव हो रहे हैं। परिसीमन के कारण इस बार कई नए क्षेत्र अस्तित्व में आए हैं। हालांकि इनमें से कोई भी निर्वाचन क्षेत्र दो जिलों में नहीं फैला है। इससे नए प्रत्याशियों को अधिक अवसर मिलेंगे, क्योंकि स्थानीय आबादी फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली दो प्रमुख पार्टियों द्वारा लागू व्यवस्था का शिकार हो गई थी।

इससे पहले शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जो बुरहान वानी जैसे आतंकियों की मौत के बाद हुए आंदोलनों में अचानक उभरे जनाक्रोश के कारण दिखीं। लेकिन केंद्र की मौजूदा सरकार ने पर्यटन और आर्थिक विकास को वापस लाने की रणनीति पर काम किया, जो लोगों के लिए बहुत जरूरी था। आज अगर जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण चुनाव हो रहे हैं और बहिष्कार की बात नहीं हो रही है, तो यह विकास की राजनीति का ही नतीजा है। तथ्य है कि पाकिस्तान पिछले कुछ समय से घरेलू राजनीतिक उथल-पुथल में फंसा है, जिसके चलते भारत को अपने प्रयासों में मदद मिली। पाकिस्तानी नेता आपस में ही लड़ रहे थे, इसलिए उनके पास भारत से जम्मू-कश्मीर को अलग करने की रणनीति को आगे बढ़ाने के लिए बहुत कम समय था। ऐसे में, भारत ने विधानसभा चुनावों की पहल करने का फैसला किया, जिसमें वहां के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

अनुच्छेद 370 के हटने और प्रमुख राजनीतिक दलों के विरोध के बावजूद केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद यह जम्मू-कश्मीर के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है। कश्मीर का अशांत राजनीतिक इतिहास कुछ ऐसा है, जिसे भुलाया नहीं जा सका है और इसलिए जम्मू-कश्मीर के स्थानीय लोगों में थोड़ा संदेह है कि मौजूदा चुनाव कराने के पीछे नई दिल्ली की क्या रणनीति हो सकती है। चूंकि 1977 को छोड़कर चुनाव परिणामों में धांधली के कई उदाहरण देखे जा चुके हैं, इसलिए कई प्रमुख राजनीतिक दल इसका फायदा उठाकर यह दिखाना चाहेंगे कि दिल्ली एक दिखावटी चुनाव कराना चाहती है, ताकि एक ऐसी सरकार बने, जो सत्तारूढ़ भाजपा के सुर में सुर मिलाए, लेकिन जम्मू-कश्मीर के अशांत इतिहास को याद करना महत्वपूर्ण है, जो हमें बताता है कि लोकतंत्र स्थापित करने के प्रयास में इसने कई चुनाव देखे हैं, लेकिन 1977 के चुनावों को छोड़कर अधिकांश चुनावों के नतीजे संदिग्ध रहे हैं। इसमें शेख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस ने स्पष्ट रूप से जीत हासिल की थी, जिसने इंदिरा गांधी की कांग्रेस पार्टी को स्पष्ट रूप से हराया था। उनके पहले के शासन में दिल्ली के दबंगों ने हस्तक्षेप किया, जिसके कारण उन्हें 1977 में पुनः निर्वाचित होने तक लंबे समय तक गिरफ्तार रखा गया। लेकिन 1982 में उनकी मृत्यु के बाद उनके पुत्र फारूक ने सत्ता संभाली और श्रीमती गांधी के साथ उनका टकराव हुआ। इसके कारण वहां की चुनी हुई सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया। नतीजतन दिल्ली और श्रीनगर के बीच बहुत कड़वाहट पैदा हो गई।

इससे पहले शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जो बुरहान वानी जैसे आतंकियों की मौत के बाद हुए आंदोलनों में अचानक उभरे जनाक्रोश के कारण दिखीं। लेकिन केंद्र की मौजूदा सरकार ने पर्यटन और आर्थिक विकास को वापस लाने की रणनीति पर काम किया, जो लोगों के लिए बहुत जरूरी था। आज अगर जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण चुनाव हो रहे हैं और बहिष्कार की बात नहीं हो रही है, तो यह विकास की राजनीति का ही नतीजा है। तथ्य है कि पाकिस्तान पिछले कुछ समय से घरेलू राजनीतिक उथल-पुथल में फंसा है, जिसके चलते भारत को अपने प्रयासों में मदद मिली। पाकिस्तानी नेता आपस में ही लड़ रहे थे, इसलिए उनके पास भारत से जम्मू-कश्मीर को अलग करने की रणनीति को आगे बढ़ाने के लिए बहुत कम समय था। ऐसे में, भारत ने विधानसभा चुनावों की पहल करने का फैसला किया, जिसमें वहां के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

पुराण दिग्दर्शन .... परिचयाध्याय

प्रमाण-संग्रहाध्यायः (दूसरा अध्याय)

गतांक से आगे...

(49) मीमांसातर्कसांख्यानि वेदान्तो योग एव च। इतिहासपुराणानि स्मृतयो नास्तिकं मतम् ।।

अर्थात् - मीमांसा, न्याय, सांख्य, वेदान्त, योग, इतिहास, पुराण, स्मृति और नास्तिकों का मत (ये सब बत्तीस विद्याओं के अन्तर्गत हैं)

(50) सर्गश्च प्रतिसर्गश्च वंशो मन्वन्तराणि च । वंशानुचरितं यस्मिन्पुराणं तद्धि कीर्तितम्।।

अर्थात् = सर्ग, प्रतिसर्ग, वंश, मन्वन्तर और वंशानुचरित ये पाँच विषय जिस में वर्णित हों, इसे पुराण कहते हैं।

(51) धर्मतत्त्वं हि गहनमतः सत्सेवितं नरः । श्रुतिस्मृतिपुराणानां कर्म कुर्याद्विचक्षणः।।

अर्थात् = धर्म का तत्त्व गहन है अतः बुद्धिमान् को उचित है कि वह सत्सेवित श्रुति स्मृति और पुराणोक्त कर्मों का हो अनुष्ठान करे ।

(52) श्रुतिस्मृतिपुराणानामभ्यासः सर्वदा हितः । अर्थात् [राजा के लिए] वेद, धर्मशास्त्र और देशी अभ्यास रादैव हितकारी है।

नीतिग्रन्थों में शुक्रनीति का स्थान बहुत ऊँचा है। इसमें धर्मनीति, राजनीति और कूटनीति के अतिरिक्त शासनोपयोगी सभी बातों का विशद वर्णन है। जो लोग बन्दूक, तोप और बम्बगोलों के आविष्कार को अंग्रेजी शासन की करामात समझते हों उन्हें उक्त ग्रन्थ का एक बार अध्ययन अवश्य करना चाहिये। ऐसे राष्ट्रीय ग्रन्थ में पुराणों का विस्तृत वर्णन लिखा देखकर सर्वसाधारण को यह खूब जान लेना चाहिए कि स्वतन्त्रता के पुजारियों को पुराणों के स्वाध्याय की कितनी आवश्यकता है।

वात्स्यायन-भाष्य- (53) प्रमाणेन खलु ब्राह्मणेन इतिहासपुराणस्य प्रामाण्य- मभ्युपगम्यते। ते वा खल्वेतेऽथर्वाङ्गिरस एतदिति- हासपुराणस्य प्रामाण्यमभ्यवदन- इतिहासपुराणं पञ्चमं वेदानां वेद इति छान्दोग्यः (7।2।1)। **क्रमशः ...**

विश्व सफाई दिवस

ललित गर्ग

हर साल 24 सितंबर को विश्व सफाई दिवस होता है, इस दिवस का उद्देश्य सफाई कार्यों में भाग लेने के लिए समाज के सभी क्षेत्रों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करके कुप्रबंधित अपशिष्ट संकट के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। व्यक्तियों, सरकारों, निगमों और संगठनों को सफाई में भाग लेने और कुप्रबंधित कचरे से निपटने के लिए समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अस्वच्छता एवं गंदगी दुनिया की बड़ी समस्या है। घर या अपने आसपास संक्रमण फैलने से बचाने और गंदगी के पूर्ण निपटान के लिये हमें ध्यान रखना चाहिये कि कूड़ा केवल कूड़ेदान में ही डालें। साफ-सफाई केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि ये घर, समाज, समुदाय, देश एवं दुनिया के हर

नागरिक की जिम्मेदारी है। हमें इसके महत्व और फायदों को समझना चाहिये। हमें संकल्प लेना चाहिये कि न तो हम खुद गंदगी फैलाएंगे और न किसी को फैलाने देंगे। अनेक बीमारियों पर नियंत्रण के लिये साफ-सफाई एवं स्वच्छता जरूरी है, कोरोना महामारी के दौरान हमने स्वच्छता का महत्व गहराई से समझा। सफाई के विषय में एक कहावत बहुत मशहूर है, कि प्रत्येक व्यक्ति अपना-अपना आँगन साफ करें तो पूरी दुनिया स्वच्छ हो जाए।

सीधी सच्ची बात है कि सफाई सभ्यता का अंग है। जब तक हमारे घर, द्वार और रास्ते गंदे रहेंगे, हमारी आदतें गन्दी रहेंगी तब तक हम अपने आपको सभ्य और सुसंस्कृत नहीं कह सकते। गाँव की गलियाँ गन्दी है, सड़कों के किनारे गन्दे हैं, इतना ही नहीं, आज जीवन के हर क्षेत्र में गन्दगी प्रवेश कर गई है। दूषित मनोवृत्ति और दूषित वातावरण के रहते, भले ही लोगों का धर्म और दर्शन कितना ही गौरवपूर्ण एवं प्राचीन क्यों न हो, उन्हें कोई सम्मान नहीं दे सकता। श्रेष्ठता और संस्कृति का पहला गुण स्वच्छता है। हम साफ और स्वच्छ रहकर ही अपने आदर्शों एवं सिद्धान्तों की रक्षा कर सकते हैं। सफाई प्रकृति का एक मौलिक गुण है। स्वच्छता और पवित्रता धर्म का प्रमुख अंग माना जाता है तो उसका सही-सही ज्ञान भी होना आवश्यक है। शिक्षा और संस्कृति के साथ सफाई का स्वास्थ्य से भी अटूट सम्बन्ध है।

महात्मा गांधी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया था। उन्होंने स्वच्छ भारत का सपना देखा था जिसके लिए वह चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें। स्वतंत्रता से ज्यादा महत्वपूर्ण है स्वच्छता गांधी के उक्त कथन से यह ध्वनित होता है कि वह जीवन में स्वच्छता के कितने बड़े हिमायती थे। सबसे बड़ी बात यह है कि वह सिर्फ बाहरी स्वच्छता यानी घर, पास-पड़ोस आदि के ही पक्षधर नहीं थे, बल्कि मन की स्वच्छता के भी प्रबल पक्षधर थे। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया।

क्यों तालिबानी मुसलमानों के खिलाफ है यूरोप

विनीत नारायण

पिछले कुछ वर्षों से यूरोप की स्थानीय आबादी और बाहर से वहां आकर बसे मुसलमानों के बीच नस्लीय संघर्ष तेज हो गए हैं। ये संघर्ष अब खूनी और विध्वंसकारी भी होने लगे हैं। कई देश अब मुसलमानों पर सख्त पाबंदियां लगा रहे हैं। उन्हें देश से निकालने की मांग उठ रही है। आतंकवादियों की शरणस्थली बनी उनकी मस्जिदें बुलडोजर से ढहाई जा रही हैं। उनके दाढ़ी रखने और बुर्का पहनने पर पाबंदियां लगाई जा रही हैं। यह इसलिए हो रहा है क्योंकि मुसलमान जहां जाकर बसते हैं वहां शरीयत का अपना कानून चलाना चाहते हैं। वह भी ज्यों का त्यों नहीं। वे वहां स्थानीय संस्कृति व धर्म का विरोध करते हैं। अपनी अलग पहचान बना कर रहते हैं। स्थानीय संस्कृति में घुलते-मिलते नहीं है। हालांकि सब मुसलमान एक जैसे नहीं होते। पर जो अतिवादी होते हैं उनका प्रभाव अधिकतर मुसलमानों पर पड़ता है जिससे हर मुसलमान के प्रति नफरत पैदा होने लगती है।

यह बात दूसरी है कि इंगलैंड, फ्रांस, हॉलैंड, पुर्तगाल जैसे देशों में मुसलमानों के खिलाफ माहौल बना है। ये वे देश हैं जिन्होंने पिछली सदी तक अधिकतर दुनिया को गुलाम बनाकर रखा और उन पर अपनी संस्कृति और धर्म थोपा था। पर आज अपने किए वे घोर पाप उन्हें याद नहीं रहे। पर इसका मतलब यह नहीं कि अब मुसलमान भी वही करें जो उनके पूर्वजों के साथ अंग्रेजों, पुर्तगालियों, फ्रांसीसियों, डचों ने किया था। क्योंकि आज के संदर्भ में मुसलमानों का आचरण अनेक देशों में वाकई चिंता का कारण बन चुका है। उनकी आक्रामकता और पुरातन धर्मांध सोच आधुनिक जीवन के बिल्कुल विपरीत है। इसलिए समस्या और भी जटिल होती जा रही है। ऐसा नहीं है कि उनके ऐसे कट्टरपंथी आचरण का विरोध उनके विरुद्ध खड़े

देशों में ही हो रहा है। खुद मुस्लिम देशों में भी उनके कठमुल्लों की तानाशाही से अमनपसंद आवाम परेशान है। अफगानिस्तान की महिलाओं को लें। उन पर लगीं कठोर पाबंदियों ने इन महिलाओं को मानसिक रूप से कुंठित कर दिया है। वे लगातार मनोरोगों का शिकार हो रही हैं। जब तालिबान ने पिछले महीने सार्वजनिक रूप से महिलाओं की आवाज पर अनिवार्य रूप से प्रतिबंध लगाने वाला एक कानून पेश किया, तो दुनिया हैरान रह गई।

लेकिन जो लोग अफगानिस्तान के शासन के अधीन रहते हैं, उन्हें इस घोषणा से कोई आश्चर्य नहीं हुआ। एक अंतर्राष्ट्रीय न्यूज एजैंसी से बात करते हुए वहां रहने वाली एक महिला ने बताया कि हर दिन हम एक नए कानून की उम्मीद करते हैं। दुर्भाग्यवश, हर दिन हम महिलाओं के लिए एक नई, पाबंदी की उम्मीद करते हैं। हर दिन हम उम्मीद खो रहे हैं। इस महिला के लिए इस तरह की कार्रवाई अपरिहार्य थी। लेकिन उसके लिए व उसके जैसी अनेक महिलाओं के लिए ऐसे फैसलों के लिए मानसिक रूप से तैयार होने से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पडऩे वाला हानिकारक प्रभाव कम नहीं हुआ। तालिबान द्वारा यह नया प्रतिबंध महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाने, कविता पढऩे या जोर से पढऩे से भी रोकता है क्योंकि उनकी आवाज को शरीर का 'अंतरंग' हिस्सा माना जाता है। अगस्त के अंत में लागू किया जाने वाला यह तालिबानी आदेश स्वतंत्रता पर कई प्रहारों में से एक है।

महिलाओं को अब 'प्रलोभन' से बचने के लिए अपने पूरे शरीर को हर समय ऐसे कपड़ों से ढंकना चाहिए जो पतले, छोटे या तंग न हों, जिसमें उनके चेहरे को ढंकना भी शामिल है। जीवित प्राणियों की तस्वीरें प्रकाशित करना और कम्प्यूटर या फोन पर उनकी तस्वीरें या वीडियो देखना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिससे अफगानिस्तान के मीडिया आऊटलैट्स का भाग्य गंभीर खतरे में पड़ गया है। महिलाओं की आवाज रिकॉर्ड करना और फिर उन्हें निजी घरों के बाहर प्रसारित करना भी प्रतिबंधित है। इसका मतलब है कि जिन महिलाओं ने अपने इंटरव्यू रिकॉर्ड किए या वॉयस नोट्स के माध्यम से किसी न्यूज एजैंसी के साथ बात करना चुना, तो ऐसा उन्होंने काफी बड़ा जोखिम उठा कर किया। लेकिन कड़ी सजा की संभावना के बावजूद उन्होंने कहा कि वे चुप रहने को तैयार नहीं हैं। इस एजैंसी को दिए गए इंटरव्यू के माध्यम से वे चाहती हैं कि दुनिया अफगानिस्तान में महिला के रूप में जीवन की क्रूर, अंधकारमय सच्चाई को जाने।

इस इंटरव्यू में अधिकतर महिलाओं ने अमानवीय सजा के डर से अपना नाम न देने की इच्छा जाहिर की। परंतु काबुल की सोदाबा नूरई एक अनोखी महिला थीं उन्होंने सजा से बिना डरे अपना नाम लेने की इच्छा की। न्यूज एजैंसी को भेजे एक वॉयस मैसेज में उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए सार्वजनिक रूप से बोलने पर प्रतिबंध के बावजूद मैंने आपसे बात करने का फैसला किया क्योंकि मेरा मानना है कि हमारी कहानियों को सांझा करना और हमारे संघर्षों के बारे में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। खुद पहचान जाहिर करना एक बहुत बड़ा जोखिम है, लेकिन मैं इसे लेने को तैयार हूं क्योंकि चुप्पी केवल हमारी पीड़ा को जारी रखने की अनुमति ही देगी। यह नया कानून बेहद चिंताजनक है और इसने महिलाओं के लिए भय और उत्पीडऩ का माहौल पैदा कर दिया है। यह हमारी स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करता है और यह शिक्षा, कार्य और बुनियादी स्वायत्तता के हमारे अधिकारों को कमजोर करता है।

उल्लेखनीय है कि सोदाबा नूरई को अपनी नौकरी से अगस्त 2021 में हाथ धोना पड़ा। क्योंकि तब वहां तालिबान का राज पुनः स्थापित हुआ और शरीयत कानून के मुताबिक महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए गए। अब उसे सरकार से प्रति माह 107 डालर के बराबर राशि मिलती है, जिसे वह महिलाओं की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त मानती हैं। इस तालिबानी आदेश से यह दिखाई देता है कि तालिबान द्वारा किसी एक अधिकार का उल्लंघन अन्य अधिकारों के प्रयोग पर किस तरह से घातक प्रभाव डाल सकता है। कुल मिलाकर, तालिबान की नीतियां दमन की एक ऐसी प्रणाली बनाती हैं जो अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के साथ उनके जीवन के लगभग हर पहलू में भेदभाव करती है। इसलिए ऐसे दमनकारी आदेशों के खिलाफ पूरे विश्व को एक होने की आवश्यकता है।

आज का इतिहास

1895 एनी लॉनडॉनडेरी साइकिल से संसार घूमने वाली विश्व की पहली महिला बनीं।
1903 अल्फ्रेड डीकिन ऑस्ट्रेलिया के दूसरे प्रधान मंत्री बने, एडमंड बार्टन के बाद, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के उच्च न्यायालय के संस्थापक न्यायधीश बनने के लिए पद छोड़ दिया।
1908 पहला कारखाना निर्मित फोर्ड मॉडल टी पूरा किया गया था। यह टिन लिज़ी के नाम से प्रसिद्ध हुआ।
1911 महामहिम की एयरशिप नंबर 1, ब्रिटेन की पहली कठोर एयरशिप, बैरो-इन-फर्नेस में अपनी पहली उड़ान से पहले तेज हवाओं से बर्बाद हो गई थी।
1937 पिंगजिंगग्वान की लड़ाई शुरू हुई।
1941 हवाई में जापानी वाणिज्य दूतावास को पर्ल हार्बर को पांच क्षेत्रों में विभाजित करने का निर्देश दिया गया है। यह प्रत्येक क्षेत्र में युद्धपोतों की संख्या की गणना करना है।
1946 कैथे पैसिफिक, हांगकांग के डी फैक्टो इंटरनेशनलफ्लैग कैरियर एयरलाइन, रॉय फैरेल और सिडनीडे कांट्ज़ो द्वारा स्थापित किया गया था।
1957 बार्सिलोना का कैंप नोउ, वर्तमान में यूरोप में 99,354 बैठने की क्षमता वाला सबसे बड़ा स्टेडियम है।
1964 वॉरेन कमीशन ने अपनी रिपोर्ट जारी की, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि ली हार्वे ओसवाल्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ। केनेडी की हत्या में अकेले अभिनय किया।
1975 दक्षिण-पश्चिम फेस एक्सपेडिटी पर डगल हेस्टन और डग स्कॉट माउंट एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचने वाले पहले लोग बन गए हैं जो किसी भी चेहरे का सामना कर रहे हैं।
1979 घाना ने संविधान को अपनाया।
1980 इराकी विमानों ने ईरान के खारग द्वीप कच्चे तेल निर्यात टर्मिनल पर बमबारी की है। वर्तमान में यह नियंत्रण से बाहर जल रहा है, जिससे भारी मात्रा में धुएं और मलबे का उत्पादन होता है।
1991 लेबनान के अपहर्ताओं ने दो साल से अधिक कैद की सजा के बाद जैकी मान रिहा कर दिया।
1992 अमेरिकी व्यक्ति ओबा चांडलर को फ्लोरिडा के तंपा बे में तीन साल की लंबी हत्या के बाद हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।
1993 कंबोडियन राजतंत्र नोरोदॉम सिहानोक को राजा के रूप में चुना गया।

सिक्खों की सहानुभूति बटोरने में नाकाम रहे राहुल गांधी

योगेंद्र योगी

लगातार तीन बार लोकसभा चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस का अल्पसंख्यकों के प्रति मोह कम नहीं हुआ है। कांग्रेस ने लोकसभा सहित चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में तीन में करारी शिकस्त खाने के बावजूद कोई सबक नहीं सीखा है। कांग्रेस बयानों के जरिए यह साबित करने पर तुली हुई कि वह सही मायने अल्पसंख्यकों की खैरख्वाह है। ऐसी राजनीति की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ी है। दो दशक पहले तक दबे-छिपे तरीके से हिन्दुओं की बात करने वाली भाजपा खुल कर सामने आ गई। इससे देश में हिन्दू-मुस्लिम मतदाताओं का स्पष्ट ध्रुवीकरण नजर आता है। अल्पसंख्यकों की हितैषी साबित करने के लिए कांगेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमरीका में सिक्खों की भारत में सुरक्षा को लेकर बयान देकर संगठन को मुश्किल में डाल दिया। पहले मुसलमानों और अब सिक्खों को लेकर दिए गए बयान से कांग्रेस भाजपा के निशाने पर आ गई। राहुल गांधी के बयान से खालिस्तान की मांग करने वाले पृथक्तावादी संगठन के प्रमुख गुरुपंत सिंह पन्नू को जहर उगलने का मौका मिल गया।

राहुल गांधी ने कहा था कि वो अल्पसंख्यकों को उनका हक़ दिलाने और उनको बैखौफ होकर जीने की आजादी दिलाने के लिए लड़ रहे हैं, उनकी लड़ाई इस बात की है कि भारत में सिखों को पगड़ी बांधने में डर न लगे, कड़ा पहनने से कोई न रोके, वे गुरुद्वारों में बेखौफ होकर जा सकें। इसके बाद खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी के बयान को बिल्कुल सही बताया। जो बात राहुल गांधी कह रहे हैं, वो बात पन्नू भी मानता है। राहुल और उसकी लाइन एक है। राहुल गांधी की खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने तारीफ कर दी। पन्नू ने एक बयान जारी करके कहा कि राहुल गांधी ने सिखों के बारे में जो कुछ बोला, उसमें खालिस्तान समर्थक संगठन %सिख फॉर जस्टिस% की बात का समर्थन है। बड़ी बात ये है कि राहुल गांधी की बात को उस सिख नौजवान भलिंदर सिंह ने भी गलत बताया जिसका नाम पूछ कर वॉशिंगटन में राहुल ने भारत में सिखों की स्थिति के बारे में गलतबयानी की थी। भलिंदर सिंह विरमानी ने खुद सोशल मीडिया पर अपना वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने उनका नाम पूछकर सिखों को लेकर जो कमेंट किया, वो पूरी तरह गलत था। भलिंदर सिंह ने कहा कि वो खुद भारतीय हैं, कुछ दिनों के लिए अमेरिका आए हैं, उन्होंने भारत में कभी नहीं देखा कि किसी सिख को पगड़ी पहनने या कड़ा पहनने से रोका गया हो या किसी को गुरुद्वारे जाने में कोई दिक्कत हुई हो।

देश में सिक्खों को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर की सर्वे रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। प्यू रिसर्च सेंटर ने यह सर्वे 2019 से 2020 के बीच कराया था। इस सर्वे में महज 14 फीसदी सिखों ने ही माना था कि भारत में सिखों के साथ भेदभाव होता है। मगर अधिकतर सिखों का मानना था कि उन्हें भारत में कोई भेदभाव नहीं दिखता। इस रपोर्ट के मुताबिक, करीब 95 फीसदी सिख खुद को भारतीय होने पर बहुत गर्व करते हैं। इतना ही नहीं, बहुमत यानी 70 फीसदी सिखों का मानना है कि जो व्यक्ति भारत का अनादर करता है, वो सिख हो ही नहीं सकता।

वॉशिंगटन डीसी में राहुल गांधी ने दुनिया भर में भारत-विरोधी प्रचार करने वाली अमेरिकी सांसद इल्हान उमर से मुलाकात की। इल्हान उमर डेमोक्रेटिक पार्टी की

नेता हैं, वो खुले तौर पर पाकिस्तान की हिमायती हैं, हर मंच पर भारत का विरोध करती हैं। राहुल गांधी अमेरिकी सांसदों के जिस प्रतिनिधिमंडल से मिले, उसमें इल्हान उमर को खासतौर पर बुलाया गया था। इल्हान उमर वही हैं, जिन्होंने 2022 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जाकर कहा था कि कश्मीर पर भारत का कोई हक़ नहीं है, भारत को कश्मीर छोडना ही पड़ेगा। जून 2023 में इल्हान उमर अमेरिका की संसद में भारत के खिलाफ एक प्रस्ताव लेकर आई थीं, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्रालय से अपील की गई थी कि वह भारत को एक ऐसा देश घोषित करे जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन होता है, जहां मुसलमान सुरक्षित नहीं है। कांग्रेस के नेताओं के पास इस बात का भी जवाब नहीं है कि राहुल गांधी पाकितान समर्थक इल्हान उमर से क्यों मिले? इल्हान तो हमेशा से भारत के खिलाफ रही हैं। कांग्रेस ने हमेशा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग माना है। अनुच्छेद 370 पर राहुल गांधी का ढुलमुल रवैया रहा है। राहुल गांधी जम्मू कश्मीर के दौरे पर पार्टी नेताओं का फीडबैक लेने पहुंचे थे, तब भी वे अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर साइलेंट मोड में दिखे थे। हालांकि कांग्रेस जिस दल के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही उसका इस मुद्दे पर मत कुछ अलग है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने अपने घोषणा पत्र में साफ कर दिया है कि अगर हमारी सरकार बनती है तो अनुच्छेद 370 और 35 ए की बहाली की जाएगी। हालांकि नेशनल कान्फ्रेंस किस आधार पर अनुच्छेद 370 की वापसी की बात कर रही है वो समझ से परे है। क्योंकि यह साधारण सी बात है कि केंद्र में सत्ता मिलने पर ही अनुच्छेद 370 की वापसी संभव हो सकती है। जाहिर सी बात है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को केंद्र में बहुमत नहीं मिलने जा रहा है।

धारा 370 की तरह सीएए पर भी राहुल गांधी का रुख बदलता रहा है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार ने सिटिजनशिप अमेंटमेंट एक्ट लागू किया। कांग्रेस ने दिसंबर 2019 में सीएए के खिलाफ कांग्रेस बहुत बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया। जिसमें सोनिया गांधी, पूर्व प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी सहित सैकड़ों पार्टी समर्थक राजघाट पर सत्याग्रह पर बैठे थे। लेकिन सीएए लागू होने के बाद चुनावों को देखते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी इस मुद्दे पर चुप्पी साध ली थी। लोकसभा चुनावों के दौरान केरल में सीएए एक बहुत बड़ा मुद्दा था। केरल के कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यमंत्री पिनराय विजयन चुनाव अभियान के दौरान लगातार यह साबित करने में लगे रहे कि राहुल गांधी सीएए पर क्यों नहीं बोल रहे हैं।

कांग्रेस और राहुल गांधी ने मौके-बेमौके अल्पसंख्यकों को लेकर गहरी चिंता जताई है, किन्तु कांग्रेसशासित राज्यों में अल्पसंख्यकों के भले के लिए क्या अतिरिक्त प्रयास किए गए, इसका खुलासा कभी नहीं किया गया। तीन तलाक के मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार का जमकर विरोध किया। जबकि तीन तलाक के मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे लागू करने का निर्णय लिया था। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक माफिया और गैंगस्टरों के मामलों में भी कांग्रेस का रवैया सहानुभूतिपूर्ण रहा है। इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी ने तो खुलकर इन गैंगस्टर्स का खुलकर समर्थन ही नहीं किया बल्कि सत्ता में रहने के दौरान बहुजन समाज पार्टी और सपा ने मंत्री पद तक के ओहदे से नवाजा था। कांग्रेस को यह समझना होगा कि क्षेत्रीय दलों का जनाधार सीमित है, जबकि कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल होने के साथ राष्ट्रीय पार्टी है। ऐसे में अल्पसंख्यकों को रिझाने की राजनीति से भाजपा को ध्रुवीकरण का मौका मिलता रहेगा।

शैलजा की नाराजगी हरियाणा में कांग्रेस पर पड़ेगी भारी

अंकित सिंह

हरियाणा में 10 साल से सत्ता से बाहर रही कांग्रेस के लिए इस बार उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। हालांकि, पार्टी के सामने अंतरकलह की स्थिति भी देखने को मिल रही है। स्थितियां सत्तारूढ़ भाजपा के लिए भी सहज नहीं है। किसान, जवान और पहलवानों की नाराजगी को कांग्रेस भुनाने की कोशिश कर रही है। यही कारण है कि कांग्रेस के लिए एक मंच तैयार होता दिखाई दे रहा है। लेकिन आंतरिक युद्ध की वजह से पार्टी के लिए स्थितियां मुश्किल होती दिखाई दे रही है। कांग्रेस के लिए दिक्कत ये है कि उसकी वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा नाराज बताई जा रही है। भूपिंदर सिंह हुड्डा को आलाकमान का ज्यादा समर्थन मिला है। यही कारण है कि कुमारी शैलजा हाशिए पर दिख रही हैं। इसी वजह से वह चुनाव प्रचार से भी दूर हैं। रणदीप सिंह सुरजेवाला भी नाराज दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, पार्टी कम से कम 10 विद्रोहियों को

मनाने में भी कामयाब रही, जो उसके आधिकारिक उम्मीदवारों की संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकते थे। पार्टी प्रबंधकों को लगता है कि राज्य इकाई पर दबदबा रखने वाले पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा और वरिष्ठ नेताओं शैलजा और रणदीप सुरजेवाला के बीच एकता की कमी 5 अक्टूबर के चुनावों के लिए उनकी तैयारियों को प्रभावित कर रही है। दावा किया जा रहा है कि टिकट आवंटन के दौरान हुई अनदेखी और अभद्र टिप्पणियों की वजह से कुमारी सैलजा नाराज हैं। इसी कारण वह कांग्रेस उम्मीदवारों के प्रचार से दूर रह रही हैं। कुमारी सैलजा की नाराजगी की वजह एक यह भी है कि टिकट आवंटन में भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को ज्यादा महत्व दिया गया। उनके करीबियों को टिकट नहीं दी गई है। आरोप लग रहा कि हुड्डा के करीबियों 90 में से 72 सीटों पर टिकट दिया गया है। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि शैलजा ने अपने खेमे के लिए 30 से 35 सीटें मांगी थीं। हालाँकि, कांग्रेस आलाकमान ने भूपिंदर सिंह हुड्डा खेमे को 72 टिकट आवंटित किए। शैलजा नारनौंद विधानसभा सीट से अपने करीबी सहयोगी डॉ. अजय चौधरी के लिए टिकट हासिल करने में भी असफल रहीं। उनकी चुप्पी पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिससे उसे वोट मजबूत करने से रोका जा सकता है। पार्टी में सबसे वरिष्ठ दलित चेहरों में से एक कुमारी शैलजा राज्य के कई विधानसभा क्षेत्रों में प्रभाव रखती हैं। कुमारी शैलजा को लेकर फिलहाल पार्टी कार्यकर्ताओं में भी भ्रम दिखाई दे रहा है। कुमारी शैलजा के समर्थकों के साथ-साथ दलित समाज में भी आक्रोश फैल रहा है। हालांकि, हरियाणा में तीनों वरिष्ठ नेताओं में से कोई भी विधानसभा चुनाव के लिए एक साथ प्रचार करते नहीं दिख रहा है। लोकसभा चुनाव के दौरान भी यही स्थिति थी। लोकसभा सदस्य और हुडा के बेटे दीपेंद्र हुडा ने यात्रा निकाली थी। शैलजा भी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले एक अलग यात्रा पर निकलीं। हाल ही में बुधवार को, शैलजा और सुरजेवाला ने राज्य के लिए पार्टी की सात गारंटी के उद्घाटन समारोह में उपस्थित नहीं होने का फैसला किया। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने चर्चाओं को बढ़ाते हुए उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। कांग्रेस के भीतर शैलजा की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है क्योंकि उनकी भागीदारी में कमी पार्टी में उनके भविष्य पर सवाल उठाती है। करनाल में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, खट्टर ने इस बात पर जोर दिया कि शैलजा सम्मान और देखभाल की हकदार हैं, उन्होंने कहा, हम उन्हें भाजपा में शामिल करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारी दलित बहन (कुमारी शैलजा), आखिरकार, दलित समुदाय और अनुसूचित जाति समुदाय से हैं, सभी से देखभाल और सम्मान की हकदार हैं। समाज में किसी को अपमानित करना वर्जित है। यदि कोई पंचायत में आपके विरुद्ध खड़ा हो जाता है तो भी उसे तवज्जो दी जाती है। लेकिन इसके बजाय, आप सभी ने समुदाय को कोसा है, जबकि वह चुप बैठी है। समाज का एक बड़ा वर्ग अब सोच रहा है कि क्या किया जाए और लोग इससे परेशान हैं; हमने उन्हें अपने साथ शामिल कर लिया है।% हम उन्हें लेने के लिए तैयार हैं।

चुनौतियों के संग दिल्ली में 'आतिशी' पारी का आरंभ?

डॉ. रमेश ठाकुर

मैं आतिशी ईश्वर की शपथ लेती हूं.....के साथ ही आतिशी दिल्ली की 8वीं और तीसरी महिला मुख्यमंत्री बन गईं। पार्टी ने बहुत सोच समझकर उन्हें ये पद सौंपा है। महिला हैं, विश्वास पात्र हैं और पार्टी के प्रति पूर्ण वफादार भी हैं, इसलिए, वरना अरविंद केजीवाल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड़ के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जैसा जाखिम जानबूझकर नहीं उठाते। उन दोनों ने भी कभी अपनी जगह जीतनराम मांझी और चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी थी, जिन्होंने कुछ महीनों में ही आंखें दिखानी शुरू कर दिया थी। खैर, केजरीवाल भी इस कड़ी में शामिल होते, उसके लिए उन्होंने गंभीरता से होमवर्क करके ही अपनी सीट पर आतिशी को बैठाने का निर्णय लिया। फिलहाल दिल्ली की स्थिति बिहार-झारखंड जैसी नहीं हैं। क्योंकि दिल्ली में अगले चार-पांच महीनों के भीतर ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। अब से कुछ समय बाद ही आचार संहिता लग जानी है।

पार्टी कार्यकर्ता आतिशी की ताजपोशी को बेशक 'आतिशी पारी' कह रहे हों, पर चुनौतियों की भी कोई कमी नहीं है? सभी भली भांति जानते हैं कि नई मुख्यमंत्री के लिए करने को कुछ ज्यादा नहीं है। सिर्फ नाम भर की मुख्यमंत्री रहेंगी। ये भी सच हैं कि कुर्सी पर बेशक आतिशी बैठें, लेकिन चलाएंगे केजरीवाल ही? सरकार संचालन का रिमोट केजरीवाल के पास ही सदैव होगा। बहरहाल, अरविंद केजरीवाल अभी कोर्ट-कचहरी और कानूनी पचेड़े में बुरी तरह से फंसे हुए हैं। आतिशी को दिल्ली की कमान सौंपने के पीछे एक वजह ये भी है कि वो महिला हैं इसलिए विपक्ष खासकर भाजपा खुलकर हमलावर नहीं होगी। पार्टी नेताओं की माने तो आतिशी को चुनाव तक के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच वो गड़बडाई पार्टी की स्थिति को कितना संभाल पाती हैं, ये उनके सामने कड़ी परीक्षा जैसी रहेगी।

फिलहाल राज निवास में आयोजित एक समारोह में शनिवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उनको मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के साथ ही उन्होंने भारत की 17वीं महिला मुख्यमंत्री बनने का गौरव भी हासिल कर

लिया। समारोह में मौजूद रहे विपक्षी नेता बिजेंद्र गुप्ता, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी उन्हें मुख्यमंत्री बनने की बधाइयां दी। दिल्ली के कालकाजी से विधायक आतिशी ने शपथ लेने के बाद अरविंद केजरीवाल के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। आतिशी आम आदमी पार्टी के कोटे से चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं, उनसे पूर्व 3 मर्तबा पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल खुद मुख्यमंत्री रहे हैं। आतिशी के जगह अगर कोई पुरुष नेता मुख्यमंत्री बनता, तो भाजपा हमलावर होती। इसलिए केजरीवाल ने महिला को सीएम की कुर्सी सौंपकर बड़ा सियासी दांव खेला है।

मुख्यमंत्री आतिशी के समक्ष चुनौतियां बेशक हजार हो, लेकिन पार्टी उनके पीछे खड़ी है। पार्टी उन्हें चुनाव तक धुंआधांर पारी खेलने का मौका देगी। क्योंकि अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी की वापसी भी करवानी है। मीडिया और सार्वजनिक रूप से सबसे बड़ा सवाल यही है चारो ओर गूंज रहा है कि क्या अगले वर्ष होने वाले चुनाव तक मुख्यमंत्री आतिशी पार्टी की वापसी करवा पाएंगी या नहीं? दिल्ली के सरकारी कामकाज काफी हद तक रुके हुए हैं। उन्हें दोबारा से संचालित करना होगा। पार्टी के कई नेता नाराज होकर दूसरे दलों में चले गए हैं और कोई न जाए, उन्हें रोकना होगा। रूठे नेताओं को मनाना होगा। एमसीडी जोन चुनाव में पार्टी भाजपा से पिछड़ चुकी है, दोबारा से पटरी पर लाना होगा। ऐसे कई मुद्दे नई मुख्यमंत्री के सामने मुंह खोले खड़े हैं। उन सभी को उन्हें पार पाना होगा। कुछ कठोर निर्णय भी लेने पड़ सकते हैं। अगले सप्ताह विधानसभा का सत्र भी बुलाया गया ।दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य महका भी चरमरा गया है, जबकि ये ऐसे महकमें है जिनके बूत उनकी पार्टी प्रचार करती है ।शिक्षा में क्रांति लाने वाले मनीष सिसोदिया भी मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं है।

दिल्ली में पूर्व के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल पर अगर नजर डाले, तो कईयों का बहुत अच्छा इतिहास और शानदार कार्यकाल रहा। एकाध मुख्यमंत्रियों ने तो लंबे समय तक राजधानी पर राज किया। पहले मुख्यमंत्री थे ब्रह्म प्रकाश, जो 17 मार्च 1952 से लेकर 12 फरवरी 1955 तक दिल्ली के मुखिया रहे। दूसरे, नंबर पर गुरमुख निहाल सिंह रहे जिनका कार्यकाल 12 फरवरी 1955 से लेकर 1 नवंबर 1956 तक रहा। तीसरे, मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना हुए उन्होंने 2 दिसंबर 1993 से लेकर 26 फरवरी 1996 तक दिल्ली की कमान संभाली। चौथे मुख्यमंत्री की बात करें, तो साहिब सिंह वर्मा थे जिन्होंने 26 फरवरी 1996 से लेकर 12 अक्टूबर 1998 तक दिल्ली को मुख्यमंत्री के तौर पर संभाला। वहीं, पहली महिला मुख्यमंत्री सुषमा स्वराज थी जिनका कार्यकाल कम अवधि का था, वह मात्र 12 अक्टूबर 1998 से 3 दिसंबर 1998 तक ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर रहीं।

वहीं, दूसरी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित ने लंबा कार्यकाल बिताया उन्होंने 3 दिसंबर 1998 से लेकर 1 दिसंबर 2003, 2 दिसंबर 2003 से 29 नवंबर 2008 तक और फिर 30 नवंबर 2008 से 28 दिसंबर 2013 तक दिल्ली की सेवा की। उनका कार्यकाल कई मायनों में यादगार रहेगा। सफल कॉमनवेल्थ गेम्स से लेकर मेट्रो के आगमन का श्रेय उन्हीं ही दिल्लीवासी देते हैं। इन सभी के बाद फिर आम आदमी पार्टी का आगाज हुआ, नई आम आदमी पार्टी वजूद में आई उनके संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 28 दिसंबर 2013 से लेकर 14 फरवरी 2014 तक, फिर 14 फरवरी 2015 से लेकर 15 फरवरी 2020 और फिर 16 फरवरी 2020 से लेकर 21 सितंबर 2024 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। अब आतिशी की पारी का आगाज हुआ है। दिल्लीवासियों को उनसे भी बहुत उम्मीदें हैं, देखते वह कितना खरा उतर पाती हैं।

आयुष्मान भारतः भारत की स्वास्थ्य यात्रा में एक मील का पत्थर

जगत प्रकाश नड्डा

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (ए.बी.-पी.एम. जे.ए.वाई.) की छठी वर्षगांठ गर्व और चिंतन का क्षण है। सितंबर 2018 में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई ए.बी.पी.एम.-जे.ए.वाई. आज दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा योजना में से एक बन चुकी है। यह योजना इस सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि सभी नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर वर्गों, के लिए समान स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराई जाए। पिछले 6 वर्षों में, इस महत्वाकांक्षी योजना ने लाखों जिंदगियों को छुआ है, उन्हें आशा, उपचार और कई मामलों में जीवनरक्षक उपचार प्रदान किया है। ए.बी.-पी.एम.जे.ए.वाई. की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि एक राष्ट्र जब अपने लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाने के लक्ष्य के साथ एकजुट होता है, तो क्या कुछ हासिल कर सकता है।

आयुष्मान भारत का मुख्य मिशन यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी भारतीय अपनी वित्तीय स्थिति के कारण स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रहे। माध्यमिक और तृतीयक अस्पताल देखभाल को कवर करने के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपए की वार्षिक कवरेज के साथ, ए.बी.-पी.एम.जे.ए.वाई. ने आर्थिक रूप से वंचित परिवारों को देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में मुफ्त में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने का साधन प्रदान किया है।

हाल ही में भारत सरकार द्वारा 70 वर्ष और उससे अधिक उम्र के आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के लिए ए.बी.-पी.एम.जे.ए.वाई. के लाभों का विस्तार करने का निर्णय लिया गया है, जो हमारे देश में बदलते जनसांख्यिकीय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे पहले, हमारे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता, जैसे कि आशा बहनों, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्ता

और आंगनवाड़ी सहायकों के परिवारों को योजना के दायरे में लाया गया था। 55 करोड़ से अधिक लोग योजना के तहत मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आज पात्र हैं। अभी तक 7.5 करोड़ से अधिक सफल उपचार प्रदान किए गए हैं जिस पर 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का खर्च हुआ है।

इस योजना में उपचार का दायरा बहुत व्यापक है, जो 1900 से अधिक चिकित्सा प्रक्रियाओं को कवर करता है, जिनमें हृदय बाईपास या ज्वाइंट रिप्लेसमैंट जैसी जटिल सर्जरी से लेकर कैंसर और गुर्दे की बीमारियों के उपचार तक शामिल हैं। ये ऐसे उपचार हैं जो पहले तमाम लोगों के लिए पहुंच से बाहर थे, लेकिन अब ए.बी.-पी.एम.जे.ए.वाई. ने उन्हें सुलभ, किफायती और सभी के लिए उपलब्ध बना दिया है।

ए.बी.-पी.एम.जे.ए.वाई. की एक विशेषता इसका एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता नैटवर्क तैयार करने की क्षमता रही है। आज, भारत भर के 29,000 से अधिक अस्पताल, जिनमें 13,000 से अधिक निजी अस्पताल शामिल हैं, योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। यह नैटवर्क ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि देश के सबसे दूरस्थ हिस्सों में रहने वाले लोग भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त कर सकें। आयुष्मान भारत की सफलता ने स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य हिस्सों में भी सुधार को उत्प्रेरित किया है। योजना के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पर जोर ने सार्वजनिक और निजी दोनों अस्पतालों को अपने बुनियादी ढांचे और सेवाओं को उन्नत करने के लिए प्रेरित किया है। इसके अतिरिक्त, इसने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण विकसित किया है, जो प्रदाताओं को रोगी कल्याण को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

समग्र स्वास्थ्य सेवा आयुष्मान भारत सिर्फ माध्यमिक और तृतीयक स्तरीय अस्पताल चिकित्सा के बारे में नहीं है। ए.बी.-पी.एम.जे.ए.वाई. के साथ-साथ, सरकार आयुष्मान आरोग्य मंदिर (ए.ए.एम.) के निर्माण के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर भी काम कर रही है। ये स्वास्थ्य केंद्र सुरक्षात्मक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य जनसंख्या में कुल रोगों के भार को कम करना है।

आयुष्मान भारत की उपलब्धियों का हर्ष मनाते हुए, हमें आगे आने वाली चुनौतियों को भी स्वीकार करना चाहिए। योजना का पैमाना विशाल है, और इसके साथ इसे लगातार अनुकूलित, परिष्कृत और सुधारने की जिम्मेदारी आती है। स्वस्थ भारत का सपना = केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के रूप में, मेरा दृढ़ विश्वास है कि किसी भी राष्ट्र का स्वास्थ्य उसकी समृद्धि की नींव है। स्वस्थ जनता देश के विकास, उत्पादकता और नवाचार में योगदान करने में सक्षम होती है। आयुष्मान भारत इस स्वस्थ, मजबूत और विकसित भारत की संकल्पना का केंद्र है। जय हिन्द!

विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की गारंटियों ने बढ़ाई चिंता

अनूप प्रजापति

विधानसभा चुनाव को लेकर हरियाणा में चुनावी महफिल सज चुकी है। एक तरफ जहाँ कांग्रेस की 7 गारंटियों का वादा है तो दूसरी तरफ बीजेपी का 20 सूत्री संकल्प पत्र है। मैदान में यही दोनों प्रमुख पार्टियां हैं, इसलिए इनकी घोषणाओं पर चर्चा आवश्यक है। क्योंकि, सवाल हरियाणा के लोगों और उनके महत्वपूर्ण 5 वर्ष का है। चुनाव हैं तो मुफ्त के वादे भी दोनों ओर से किए जाने स्वाभाविक हैं। लेकिन, प्रश्न उठता है कि कौन से वादे वित्तीय रूप से व्यवहारिक हैं और कौन से सिर्फ वोट पाने के लिए सस्ते चुनावी हथकंडे हैं? हरियाणा में बीजेपी ने महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत हर महीने 2,100 रुपए देने का वादा किया है। इसके अलावा गृहिणी योजना के तहत 500 रुपए में एलपीजी सिलेंडर देने का भी संकल्प जताया गया है। अव्वल बालिका योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र में कॉलेजों में पढ़ने वाली हर छात्राओं को स्कूटर देने का भी वादा किया गया है। यह आखिरकार वित्तीय दबाव बढ़ाने वाले कहे जा सकते हैं। हालांकि, तथ्य ये है कि पार्टी ने ऐसे वादे करके जिन राज्यों में चुनाव जीते हैं। वहां वह इन पर सफलतापूर्वक अमल कर रही और इससे सरकारी खजाने पर कोई संकट भी नहीं आया है, यह तथ्य पार्टी के पक्ष में जाता है। कर्नाटक में कांग्रेस ने 5 गारंटियों वाली चुनावी रेवड़ी से शुरुआत की थी। उसकी लॉटरी लग गई और वहां सरकार बना ली। तेलंगाना में गारंटियों की संख्या बढ़ाकर 6 कर दी और वहां भी 10 साल पुरानी बीआरएस सरकार को सत्ता से बेदखल करने में सफल हो गई। पार्टी को लग रहा है कि हरियाणा की जनता को 7 रेवड़ियों का भरोसा देकर वह पार्टी के सामने 10 वर्षों से पैदा हुए सूखे की स्थिति को हरियाली में बदल सकती है। पार्टी ने हरियाणा में 18 से 60 साल तक की महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपए का भत्ता देने का वादा किया है। इसने भी 500 रुपए में सिलेंडर देने की बात कही है। पार्टी ने इसके अलावा 300 यूनिट तक बिजली फ्री और 25 लाख रुपए का फ्री इलाज करवाने का दावा भी कर दिया है। कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड देखें तो जो रेवड़ियां बांटने का उसने दावा किया है, वह जनता को आंखों में धूल झोंकने से ज्यादा कुछ भी नहीं लग रहा है। कांग्रेस को भी पता है कि वह मुफ्त के वादों से वोटरों को मूर्ख बनाने से ज्यादा कुछ भी नहीं कर रही है। क्योंकि, इन सस्ती लोकप्रियता वाले हथकंडों ने हिमाचल से लेकर कर्नाटक और तेलंगाना तक के लोगों का उसके प्रति विश्वास डगमगा रखा है। यही कारण है कि अभी अभी संपन्न हुए लोकसभा चुनाव ने मतदाताओं ने राहुल गांधी के खटाखट वादे को लगभग खारिज़ कर दिया। हिमाचल की जनता कांग्रेस की चुनावी रेवड़ियों का रोना तो आज रो रही है। सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना देने का वादा किया गया था और अब उन्हें वेतन और पेंशन तक के लाले पड़ चुके हैं।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 17 सितंबर से श्राद्धपक्ष प्रारंभ हो गए जिन्हें 16 श्राद्ध कहा जाता है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौनसा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शंति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म - इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमशः पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नमः' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

तरक्की में बाधा बन सकता है पितृ दोष

जान लें मुक्ति के उपाय

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। ऐसे में इस साल पितृपक्ष की शुरुआत 17 सितंबर 2024 से हो चुकी है, जिसका समापन बुधवार, 02 अक्टूबर को होगा। वहीं पितृ पक्ष की समाप्ति पर यानी 02 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

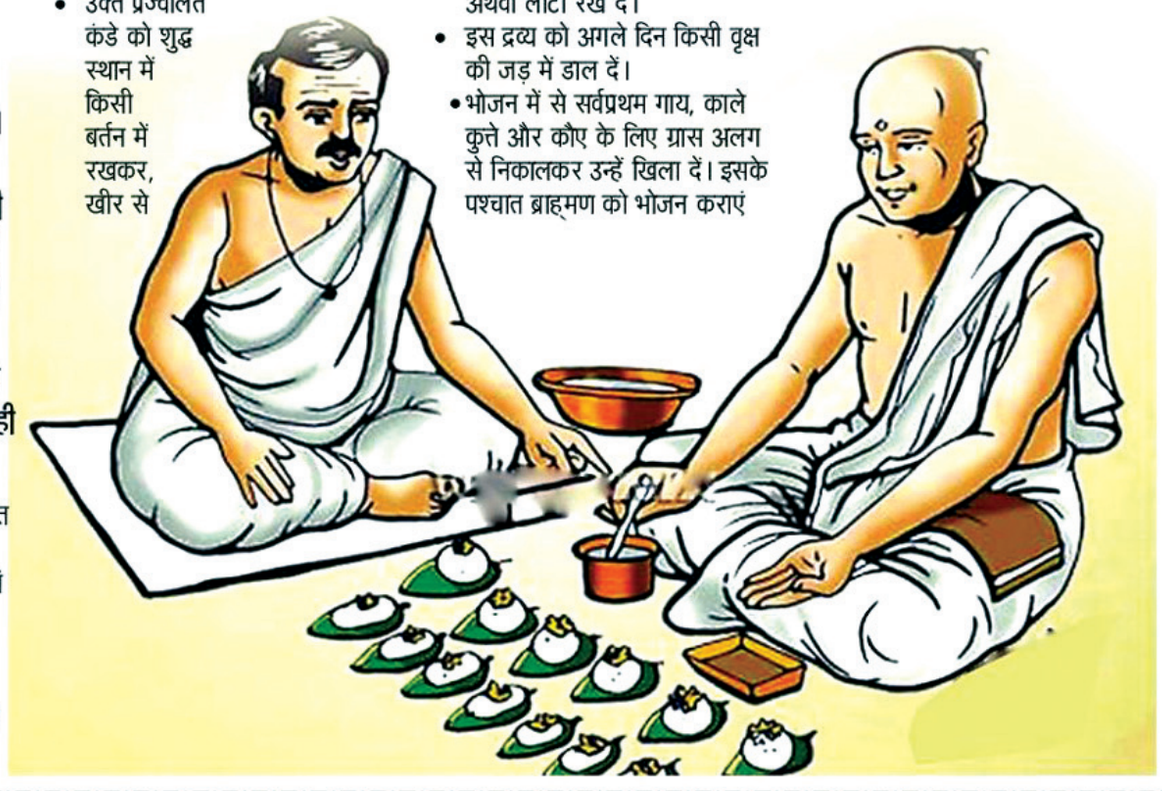

क्या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुख्य अंग हैं- 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वे नियम-

श्राद्धकर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर :** श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर :** किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे :** पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र :** शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर :** समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला :** जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर :** पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में :** वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर :** किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि :** किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में :** किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर :** किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

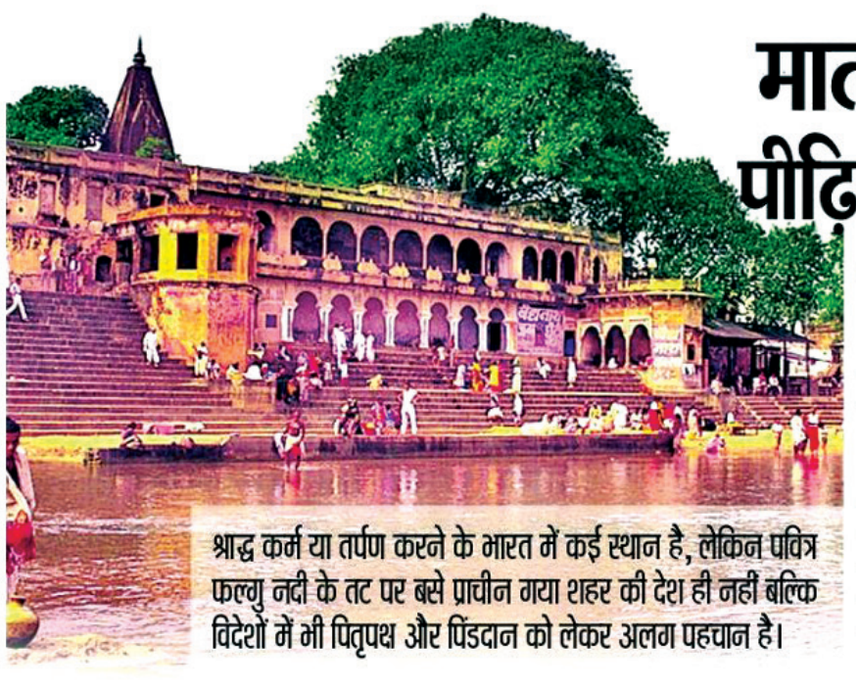

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार करता है गयाजी में पिंडदान

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है। आओ जानते हैं इसके 5 कारण।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अतः पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास- ये चारों मुक्ति के साधन हैं- गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

दिल्ली में आतिशी ने संभाला मुख्यमंत्री का पदभार

नईदिल्ली। अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आप नेता आतिशी ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर दिल्ली के आठवें मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। आतिशी ने अपने बगल की कुर्सी खाली रखी। उन्होंन सौफ तौर पर कहा कि यह कुर्सी अरविंद केजरीवाल की है। आतिशी ने हिंदू महाकाव्य रामायण से प्रतीकात्मक तुलना करते हुए कहा कि मेरी स्थिति भरत की तरह है, जब भगवान श्री राम वनवास गए थे और भरत को उनकी अनुपस्थिति में शासन करना पड़ा था। 43 वर्षीय आतिशी ने आगामी चुनावों तक अगले चार महीनों तक सरकार चलाने की कसम खाई, जैसे भरत ने सिंहासन पर भगवान राम की खड़ाऊं (सैंडल) के साथ शासन किया था। उन्होंने कहा कि मैंने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला है। आज मेरा दर्द वही है जो भरत का था जब भगवान राम को 14 वर्ष का वनवास हुआ था और भरत को राजसत्ता संभालनी पड़ी थी।

अमानतुल्ला खान की 7 अक्टूबर तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नईदिल्ली। वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आप विधायक अमानतुल्ला खान की न्यायिक हिरासत 7 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में अपना मेडिकल रिकॉर्ड ले जाने की इजाजत दे दी है। जेल में इलेक्ट्रिक कैटल और ग्लूकोज मीटर ले जाने की इजाजत मांगने वाली अर्जी पर कोर्ट ने जेल अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। अदालत इस अर्जी पर 25 सितंबर को सुनवाई करेगी। उन्हें 2 सितंबर को ईडी ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। इससे पहले राउज एवेन्यू कोर्ट ने आप विधायक अमानतुल्ला खान को 23 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। सुनवाई के दौरान ईडी ने खान की 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग करते हुए कहा था कि आरोपी से आगे हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है और उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाना चाहिए। ईडी ने अदालत से कहा कि रिहा होने पर खान गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं।

कुमारी शैलजा हरियाणा में करेंगी प्रचार

चंडीगढ़। हरियाणा चुनाव से पहले कांग्रेस के भीतर दरार की खबरों के बीच के पार्टी को बड़ी राहत मिली है। जानकारी के मुताबिक पार्टी नेता रणदीप सुरजेवाला और सिरसा की सांसद कुमारी शैलजा कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे। इन्हीं दोनों नेताओं की नाराजगी की खबरे लगातार चल रही थी। कुमारी शैलजा और पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा के बीच अनबन की अटकलें लगाई जा रही थीं। ऐसी अफवाहें थीं कि टिकट वितरण पर वरिष्ठ नेतृत्व के साथ मतभेदों के कारण शैलजा पार्टी छोड़ सकती हैं या अभियान से खुद को दूर कर सकती हैं। हालांकि, अब रणदीप सुरजेवाला ने एक्स पोस्ट में बड़ी जानकारी दी है। रणदीप सुरजेवाला ने लिखा कि आज नरवाना में कांग्रेस प्रत्याशी, सतबीर दबलैन के लिए 22 जनसभाओं को संबोधित करूँगा। पूरे ज़िले व हरियाणा में कांग्रेस की जीत का परचम फहरायेंगे। सांसद व बड़ी बहन कुमारी सेलजा भी नरवाना में 26 तारीख़ को 12 बजे जनसभा को संबोधित करेंगी व कांग्रेस के लिए प्रचार करेंगी।

अवधेश प्रसाद के बेटे पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार!

लखनऊ। अयोध्या पुलिस ने फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद और छह अन्य के खिलाफ एक व्यक्ति पर हमला करने, अपहरण करने और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। समाजवादी पार्टी के फैजाबाद सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद के खिलाफ रविवार को एक व्यक्ति का अपहरण करने, उसे धमकाने और उस पर हमला करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि सपा सांसद ने आरोपों से इनकार करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित बताया है, क्योंकि उनका बेटा मिल्कीपुर विधानसभा सीट से पार्टी का उम्मीदवार है, जहां उपचुनाव होने हैं। मामले में 18 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस संबंध में शनिवार को रवि तिवारी द्वारा शहर कोतवाली थाने में अजीत समेत तीन नामजद और 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

प्रधानमंत्री ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति से मुलाकात की

न्यूयॉर्क। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर हैं। अमेरिकी यात्रा के दौरान यहां पीएम नरेंद्र मोदी ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा में मानवीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता की बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की। क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। फिलिस्तीन के लोगों के साथ दीर्घकालिक मित्रता को और मजबूत करने के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया। इस मुलाकात के संदर्भ में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बाद में एक्स पर एक पोस्ट में कहा-प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा में मानवीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की और फिलिस्तीन के लोगों के प्रति भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की।

कांग्रेस अलगाववादियों और राष्ट्रविरोधी ताकतों को देती है बढ़ावा

रांची। झारखंड के खूंटी में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने परिवर्तन यात्रा की शुरूआत की। इस दौरान उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने कहा कि मैं लोकसभा चुनाव के दौरान झारखंड आया था और चुनावी सभाएं की थीं, उस समय भी हमें मालूम था कि इंडी अलायंस द्वारा किस तरह से झूठ फैलाया जा रहा है, लोगों को बरगलाया जा रहा है। उन्होंन कहा कि मैं झारखंड की भोली भाली जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इंडी अलायंस की एक नहीं सुनी और यहां से भाजपा को जीत हासिल करवाई।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो महाभ्रष्ट पार्टी है, जो राष्ट्र विरोधी तत्वों व अलगाववादी तत्वों की पोषक है। कांग्रेस ने प्रदेश और देश को भाई भतीजावाद,

तुष्टीकरण की राजनीति, भ्रष्टाचार, परिवारवाद से ग्रसित किया। उन्होंने कहा कि हमारे हेमंत सोरेन साहब ने भी कांग्रेस से सीखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जेएमएम भी भ्रष्टाचारी पार्टी बन गई, परिवारवाद को बढ़ावा दिया, भाई भतीजावाद को पनाह दी, युवाओं के साथ छल किया और अपने ?ही परिवार में जो पराए दिखे उन्हें दरकिनार किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि झारखंड को कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी से मुक्ति दिलाने का काम करना होगा।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब जेएमएम आदिवासी अस्मिता की बात करती है, तो उसकी अस्मिता सिर्फ अपने परिवार तक ही सीमित रह जाती है। उन्होंने पूछा कि क्या चंपई सोरेन आदिवासी नहीं थे, क्या सीता सोरेन आदिवासी नहीं हैं, उन्हें अपमानित क्यों किया गया? आपको याद रखना होगा कि अगर आदिवासियों के हित की रक्षा किसी ने की है या करेगी तो वह अकेली भाजपा पार्टी है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जो भगवान बिरसा मुंडा के गांव गए। उनके गांव की माटी को नमन किया। एक आदिवासी बेटी को देश का राष्ट्रपति बनाया गया। सही मायने में आदिवासियों को मुख्य धारा में शामिल करने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने ही किया है।

जेएमएम पर हमला करते हुए नड्डा ने कहा कि वे कहते थे कि हम हर परिवार को एक-एक लाख रुपया देंगे। क्या आपको मिल गया? इन्होंने अपने घोषणा पत्र में कहा था कि हम चूल्हा भत्ता देंगे। यहां हर घर में मोदी जी ने गैस सिलेंडर पहुंचा दिया, लेकिन इनका चूल्हा भत्ता नहीं मिला। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि आज झारखंड में आदिवासियों की संख्या 44 प्रतिशत से घटकर 28 प्रतिशत रह गई है। ये क्या हो रहा है, ये कैसी सरकार है, प्रदेश का प्रशासन किस प्रकार से काम कर रहा है? रोहिंग्याओं को यहां बसाया जा रहा है, लोग गलत तरीके से शादियां रचा रहे हैं, आदिवासियों की जमीनों को हड़पा जा रहा है। सुनियोजित तरीके से ये काम हो रहा है और यहां की सरकार ये होने दे रही है। रोहिंग्याओं को यहां बसा रही है, उनके आधार कार्ड बना रही है।

चुनाव आयोग की 12 सदस्यीय टीम पहुंची रांची

नईदिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग की टीम आगामी राज्य विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए सोमवार को झारखंड पहुंची। दो दिवसीय दौरे के दौरान, आयोग राजनीतिक दलों, प्रवर्तन एजेंसियों और सरकारी अधिकारियों के साथ कई बैठकें करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनावों के लिए सब कुछ ठीक है। सूत्रों की मानें तो इस बार दो से तीन चरणों में चुनाव कराए जा सकते हैं।

झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार ने कहा कि सोमवार को चार बैठकें निर्धारित हैं। चुनाव आयोग छह राष्ट्रीय और तीन क्षेत्रीय दलों सहित नौ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ वरिष्ठ सरकारी और पुलिस अधिकारियों से बात करेगा। कुमार ने बताया कि टीम मंगलवार को जिला चुनाव अधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों, महानिरीक्षकों और उप महानिरीक्षकों से भी मुलाकात करेगी। चर्चा में चुनाव तैयारियों, कानून व्यवस्था की स्थिति और चुनाव से जुड़े अन्य मामलों की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

झारखंड में इस वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले, यहां 2019 में 81 विधानसभा सीट के लिए 30 नवंबर से 20 दिसंबर के बीच पांच चरणों में चुनाव हुए थे और नतीजे 23 दिसंबर को घोषित किए गए थे। निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने बताया कि इस बार चुनाव दो से तीन चरणों में कराए जाने की संभावना है।

अचानक ही नीतीश ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिख दिया। अपने पत्र के जरिए नीतीश ने ऐसी मांग की है जिसे मोदी सरकार की ओर से इनकार करना असंभव है। मोदी को मिले पत्र में नीतीश ने उनसे अयोध्या और सीतामढी के बीच वंदे भारत ट्रेन शुरू करने का अनुरोध किया ताकि तीर्थयात्रियों को दोनों पवित्र शहरों के बीच बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिल सके। आपको बता दें कि राज्य सरकार सीतामढी जिले में एक हिंदू तीर्थ स्थल, पुनौरा धाम जानकी मंदिर का विकास कर रही है, जिसे देवी सीता का जन्मस्थान माना जाता है।

नीतीश ने ट्वीटर पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को सीतामढ़ी जिले में अवस्थित मां सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम हेतु सड़क एवं रेल संपर्कता प्रदान करने के लिए पत्र के माध्यम से अनुरोध किया है। उन्होंने आगे बताया कि पत्र में भारत सरकार द्वारा बनाए जा रहे अयोध्या से सीतामढ़ी जिले तक राम-जानकी मार्ग के निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने तथा अयोध्या से सीतामढ़ी के बीच एक वंदे भारत ट्रेन के परिचालन हेतु संबंधित मंत्रालयों को उचित निदेश देने का आग्रह किया है। इससे श्रद्धालुओं को अयोध्या के साथ-साथ मां सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम आने में काफी सुविधा होगी।

उन्होंने कहा कि यह बहुत संतोष की बात है कि केंद्र सरकार ने अयोध्या से सीतामढी तक राम-जानकी मार्ग के विकास से संबंधित निर्माण कार्य पहले ही शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित मंत्रालय को इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया जाना चाहिए ताकि तीर्थयात्रियों को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर और बिहार के पुनौरा धाम जानकी मंदिर के बीच बेहतर सड़क सुविधाएं मिल सकें। सीतामढी जिले के पुनौरा धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इससे पहले नीतीश ने अपने अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में मां सीता की जन्मस्थली सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में पुनर्विकास कार्य की समीक्षा की।

आरक्षण पर झूठ फैला रही भाजपा: राहुल गांधी

■हम इसे नुकसान नहीं पहुंचने देंगे

नईदिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को भाजपा पर बहुजन विरोधी होने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाति जनगणना बोलने तक से डरते हैं। उन्होंने भाजपा पर वार करते हुए कहा कि चाहे वह कितना भी झूठ फैला ले, हम आरक्षण को नुकसान नहीं पहुंचने देंगे। अपने एक्स पोस्ट में राहुल ने लिखा कि बहुजन विरोधी भाजपा चाहे कितना भी झूठ फैला ले - हम आरक्षण पर आंच तक नहीं आने देंगे। राहुल गांधी ने आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने की पैरवी करते हुए यह भी कहा कि बहुजन को न्याय दिलाना उनके जीवन का मिशन है।

राहुल ने लिखा कि हम तब तक नहीं रुकेंगे जब

तक एक विस्तृत जाति जनगणना न हो जाए, आरक्षण पर से 50% की सीमा हटा कर हर वर्ग को उनका हक़, हिस्सेदारी और न्याय न मिल जाए और जनगणना से प्राप्त जानकारी भविष्य की नीतियों का आधार न बन जाएं। उन्होंने कहा कि मोदी जी जाति जनगणना बोलने तक से डरते हैं, वो नहीं चाहते हैं कि बहुजनों को उनका हक़ मिले! इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं फिर से दोहराता हूं - मेरे लिए यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बहुजनों को न्याय दिलाना ही मेरे जीवन का मिशन है।

अमेरिका में राहुल गांधी द्वारा आरक्षण के संदर्भ में दिए गए बयान को लेकर भाजपा और उसके शीर्ष नेता उन पर लगातार हमले कर रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर की एक चुनावी सभा में आरक्षण के मुद्दे पर राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा था कि किसी को भी पहाड़ी, गुज्जर, दलित, अन्य पिछड़े वर्गों सहित वंचित वर्गों को दिए गए आरक्षण को छूने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी अमेरिका में कह रहे हैं कि आरक्षण की कोई जरूरत नहीं है। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि आपको पात्र समुदायों के लिए आरक्षण खत्म करने की इजाजत नहीं है।

खेल
प्रमुख समाचार

श्रीलंका की न्यूजीलैंड पर रोमांचक जीत

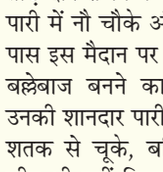

गॉल। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट मैच में 63 रनों से हरा दिया है। श्रीलंका के लिए बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या इस मैच में स्टार बनकर उभरे जिन्होंने दूसरे पारी में पांच विकेट लिए और मेजबान टीम को रोमांचक जीत दिलाई। न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्र ने जूझारू पारी खेली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन प्रभात ने उन्हें आउट कर न्यूजीलैंड की आखिरी उम्मीद भी तोड़ दी।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के सामने 275 रनों का लक्ष्य रखा था। रविवार को चौथे दिन के खेल की समाप्ति तक न्यूजीलैंड ने आठ विकेट पर 207 रन बना लिए थे और मैच रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था। कीवी टीम को पहले टेस्ट के अंतिम दिन सोमवार को जीत दर्ज करने के लिए 68 रन बनाने थे, जबकि श्रीलंकाई टीम को दो विकेट चटकाने की जरूरत थी। हालांकि, न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकी और उसकी दूसरी पारी 211 रनों पर सिमट गई। न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ पहली पारी में 35 रनों की बढ़त हासिल की थी, इसके बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा।

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की ओर से सिर्फ रचिन ही श्रीलंकाई गेंदबाजों का डटकर सामना कर सके। रचिन ने सोमवार को 91 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई, लेकिन वह सिर्फ एक ही रन और बना सके। रचिन को प्रभात ने एलबीडब्ल्यू आउट किया और न्यूजीलैंड की आखिरी उम्मीद तोड़ दी। रचिन ने 168 गेंदों पर 92 रनों की अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का लगाया। रचिन के पास इस मैदान पर शतक जड़ने वाला पहला कीवी बल्लेबाज बनने का मौका था, लेकिन प्रभात ने उनकी शानदार पारी का अंत किया। रचिन ना सिर्फ शतक से चूके, बल्कि अपनी टीम को रोमांचक जीत भी नहीं दिला सके। रचिन के आउट होने के बाद प्रभात ने विलियम ओरुउर्के को खाता खोले बिना आउट कर टीम को जीत दिलाई।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 384 अंक मजबूत हुआ निफ्टी 26 हजार के करीब

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी का सिलसिला जारी रहा। बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार 384 की मजबूत होकर रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ। सेंसेक्स की ही तरह, निफ्टी भी 148 अंक की बढ़त लेकर नई ऊंचाई पर पहुंच गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 384.30 अंक या 0.45 प्रतिशत की बढ़त लेकर 84,928.61 के ऑलटाइम हाई पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 84,607.38 और 84,980.53 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ एनएसई निफ्टी 148.10 अंक या 0.57 प्रतिशत बढ़कर 25,939.05 के रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 25,847.35 और 25,956.00 के रेंज में कारोबार हुआ।

भारतीय रियल एस्टेट बाजार 2047 तक 10000 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है

नईदिल्ली। भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार 2047 तक कई गुना होकर 5000 से 7000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। बढ़ती आर्थिक वृद्धि तथा तीव्र शहरीकरण से यह 10,000 डॉलर तक भी पहुंच सकता है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई और रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने सोमवार को यहां 'क्रेडाई नैटकॉन' सम्मेलन में एक संयुक्त रिपोर्ट 'इंडियन रियल एस्टेट- द क्वांटम लीप' जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, 2047 तक भारतीय रियल एस्टेट का बाजार आकार निराशावादी परिदृश्य में 3000 से 5000 अरब डॉलर, यथार्थवादी परिदृश्य में 5000 से 7000 अरब डॉलर और आशावादी परिदृश्य में 7000 से 10000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

वोडाफोन आइडिया के शेयर रॉकेट की तरह उड़े

नईदिल्ली। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में सोमवार को शुरुआती ट्रेडिंग में 8 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। कंपनी ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग के साथ रू. 29,880 करोड़ का नेटवर्क इक्विपमेंट सप्लाई डील पूरा होने की अनाउंसमेंट की। यह डील तीन साल की अवधि के लिए है। बीएसई पर वोडाफोन आइडिया के शेयर 8.96% बढ़कर रू. 11.42 प्रति शेयर तक पहुंच गए। यह डील वोडाफोन आइडिया की तीन साल की बड़ी कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) योजना का पहला कदम है। इसकी अनुमानित लागत लगभग 6.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर (रू. 55,000 करोड़) है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य 4जी कवरेज को 1.03 अरब से बढ़ाकर 1.2 अरब लोगों तक पहुंचाना है। इसके साथ ही, प्रमुख बाजारों में 5जी की शुरुआत करना और डेटा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए नेटवर्क की क्षमता बढ़ाना भी शामिल है। वोडाफोन आइडिया ने 22 सितंबर को स्टॉक एक्सचेंज में यह जानकारी दी।

स्पाइसजेट ने क्यूआईपी के जरिये जुटाए 3,000 करोड़ रु.

नईदिल्ली। घरेलू विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 3,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। स्पाइसजेट ने बयान में कहा, क्यूआईपी 16 सितंबर को खुला और 18 सितंबर को बंद हुआ। इसमें योग्य निवेशकों की अच्छी प्रतिक्रिया के साथ काफी अधिक अभिदान मिला। यह कंपनी की वृद्धि संभावनाओं में मजबूत विश्वास को दर्शाता है। कंपनी ने कहा, 3,000 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के अलावा उसे पिछले वित्तपोषण दौर से 736 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी मिली। इससे उसकी वित्तीय स्थिरता तथा वृद्धि योजनाओं को और बढ़ावा मिलेगा। स्पाइसजेट के चेयरमैन ने कहा, निवेशकों और संस्थानों की ओर से मिली मजबूत प्रतिक्रिया स्पाइसजेट की तेजी से विस्तार करने और भारत के उभरते विमानन बाजार में एक मजबूत कंपनी बनने की क्षमता में उनके विश्वास का प्रमाण है।

उभरते बाजारों की दौड़ में चीन से आगे भारत

सुरजीत सिंह

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिनों में भारत के शेयर सूचकांक ने नई उंचाइयों को छुआ है। सरकार की दीर्घकालीन आर्थिक नीतियों और सकारात्मकता का ही परिणाम है कि भारत की मध्यम और छोटी कंपनियां, बड़ी कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उभरते बाजारों में भारत निवेशकों का पसंदीदा देश बन रहा है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, जापान के बाद भारत निवेशकों का दूसरा पसंदीदा देश है।

एक सितंबर से 13 सितंबर तक, कुल 13 दिनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा 53 हजार करोड़ रुपये का भारत में निवेश हुआ है, जिनमें से 28 हजार करोड़ का निवेश स्टॉक मार्केट में हुआ है। शेयर बाजार में तेजी ने न सिर्फ विदेशी निवेशकों को, बल्कि घरेलू निवेशकों को भी आकर्षित किया है। शेयर बाजार में मिलने वाले अच्छे रिटर्न ने निवेशकों के आत्मविश्वास को बढ़ाया है। पिछले चार वर्षों में भारतीय निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। परंपरागत क्षेत्रों, जैसे सोना और प्रॉपर्टी में निवेश के अलावा लोगों की शेयर बाजार में भी दिलचस्पी बढ़ी है। इंटरनेट और मोबाइल के प्रसार ने शेयर बाजार की जानकारी और निवेश को लेकर जागरूकता बढ़ाई है। यानी वित्तीय साक्षरता में होने वाली वृद्धि ने लोगों को निवेश करने के लिए प्रेरित किया है।

यही कारण है कि इन्वेस्टमेंट रिसर्च फर्म मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल (एमएससीआई) के नवीनतम सूचकांक में भारत ने चीन को पछाड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है। एमएससीआई विभिन्न देशों, क्षेत्रों और उभरते बाजारों के आधार पर अनेकों प्रकार के सूचकांक जारी करता है,

जिनमें दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं, पहला, उभरते बाजार निवेश योग्य बाजार सूचकांक (ईएम आईएमआई) और दूसरा, उभरते बाजार का मानक सूचकांक (ईएम सूचकांक)। इन दोनों सूचकांकों में भारत ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। पिछले कुछ महीनों में छोटी कंपनियों द्वारा अच्छा प्रदर्शन किया गया, जिसके कारण ईएम आईएमआई सूचकांक के पोर्टफोलियो में 25 नए स्टॉक के जुड़ने से भारत के वेटेज में 21 प्रतिशत की बढ़त हुई है, जबकि चीन के वेटेज में 0.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। शेयरों को शामिल करने और वेटेज तय करते समय, एमएससीआई विदेशी फंडों के लिए उपलब्ध गुंजाइश पर विचार करती है। वर्तमान में एमएससीआई के कुल पोर्टफोलियो में 18.5 प्रतिशत भारतीय स्टॉक हैं।

चीन का कुल बाजार पूंजीकरण 8.14 लाख करोड़ डॉलर है, जो भारत के 5.03 लाख करोड़ डॉलर से 60 फीसदी अधिक है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस साल के अंत तक ईएम सूचकांक में भी भारत, चीन को पीछे छोड़ देगा, क्योंकि पिछले दिनों चीन के लगभग 60 खराब प्रदर्शन करने वाले स्टॉक को हटा दिया गया है, जबकि भारत के अच्छा प्रदर्शन करने वाले सात स्टॉक को इसमें जोड़ा गया है। नए परिवर्तनों के बाद भारत का वेटेज जहां 84 प्रतिशत बढ़ा है, वहीं चीन के वेटेज में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है। वर्तमान में चीन का वेटेज 23.7 प्रतिशत है और भारत का प्रतिशत 20.6 प्रतिशत है।

मॉर्गन स्टेनली के दोनों सूचकांकों में भारत के वेटेज का बढ़ना यह सिद्ध करता है कि वैश्विक मंच पर भारत की साख और स्वीकार्यता, दोनों में वृद्धि हुई है। सरकार की अनुकूल नीतियों और भारतीय निगमों के प्रभावशाली प्रदर्शन के कारण देश न सिर्फ निरंतर आर्थिक प्रगति कर रहा है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को भी बढ़ावा मिल रहा है। भारत मौद्रिक और राजकोषीय घाटा आदि के क्षेत्र में भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। साल 2024 की शुरुआत में एफडीआई में 47 प्रतिशत की वृद्धि, कच्चे तेल की कीमतों में कमी, ऋण बाजारों में पर्याप्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) आदि ऐसे सकारात्मक कारक रहे हैं, जिसके चलते घरेलू निवेशकों द्वारा भी अधिक पैसा शेयर बाजार में निवेश किया जा रहा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का राष्ट्रनिर्माण में अहम योगदान : मुख्यमंत्री

रायपर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। स्वयं सेवको ने ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्रों में भी सेवा की अलख जगाई है। स्वच्छता अभियान, साक्षरता अभियान सहित शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में रचनात्मक योगदान देकर एक मिसाल प्रस्तुत की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्ति के कार्य में स्वयं सेवकों को सक्रिय भूमिका निभाना चाहिए।

मुख्यमंत्री साय इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राज्य स्तरीय स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य इकाई को विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 50 लाख रूपए की मंजूरी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य इकाई के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 13 लाख रूपए की राशि दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर 50 लाख रूपए किया जा रहा है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के सचिव प्रसन्ना आर., इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त श्री जनक प्रसाद पाठक, राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. नीता बाजपेयी भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सेवा कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले युवा स्वयंसेवियों, कार्यक्रम अधिकारियों और संस्थाओं को सम्मानित किया तथा एनएसएस की पत्रिका समर्पण का विमोचन किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना की शुरूआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सौवीं जयंती पर हुई थी। पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. कलाम को याद करते हुए कहा कि वे अक्सर कहते थे कि अपने लिये मत जियो, ऐसे जियो कि आने वाली पीढ़ी को तुम पर गर्व हो। आने वाली पीढ़ी आप पर गर्व तभी करेगी जब आप अपने रचनात्मक योगदान से समाज को कुछ देकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्र निर्माताओं ने जो मशाल हमें सौंपी है, उसे हमें आगे ले जाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में कर्तव्य पथ में आयोजित परेड में हमारे राज्य की राष्ट्रीय सेवा योजना की आठ छात्राओं ने हिस्सा लिया। यह हम सबके लिए गर्व का विषय है। यह परेड नारी शक्ति को समर्पित थी और हमारी छात्राओं ने इसमें हिस्सा लेकर प्रदेश का मान बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं के लिए बड़े काम कर रही है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान की जा रही है। युवाओं को स्किल ट्रेनिंग दी जा रही है। नये जमाने के ट्रेड्स से उन्हें परिचित कराया जा रहा है। युवा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स का कौशल सीख सकते हैं। युवाओं को प्रोफेशनल पढ़ाई के लिए मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा योजना के माध्यम से ब्याज मुक्त ऋण की सुविधा दी जा रही है। विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या में भर्ती निकल रही है। उद्यम के क्षेत्र में जाने के इच्छुक युवा छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसमें 50 प्रतिशत सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण दिया जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा युवाओं को उद्योग जगत में अवसर प्रदान करने इंटर्नशिप योजना आरंभ की गई है। इसमें देश की शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को काम सीखने का मौका मिलेगा और इसके लिए भत्ता भी मिलेगा। आप सभी इसका भी समुचित प्रचार-प्रसार करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे कि मुझे 100 ऊर्जावान युवा मिल जाएं तो मैं देश की दशा और दिशा बदल सकता हूँ। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना से एक लाख छह हजार स्वयंसेवक जुड़े हैं। इस विशाल संख्या और आप लोगों के उत्साह और ऊर्जा को देखकर मैं पूरी तरह आश्वस्त हूँ कि हम विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेंगे। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव श्री प्रसन्ना आर. ने कहा कि एनएसएस के माध्यम से प्रदेश में 7 से 8 लाख युवा वालेंटियर तैयार किए गए हैं, वर्तमान में एनएसएस के एक लाख से अधिक वालेंटियर हैं, जो रचनात्मक कार्यों में योगदान दे रहे हैं।

भाजपा सदस्यता अभियानः छत्तीसगढ़ में अब तक बनाए गए 19 लाख सदस्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 19 लाख भाजपा के सदस्य बनाए जा चुके हैं। 50 लाख का लक्ष्य है। यह जानकारी प्रेसवार्ता में भाजपा सदस्यता अभियान के संयोजक अनुराग सिंह देव ने दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ में चल रहे सदस्यता अभियान को लेकर दी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भाजपा का भव्य सदस्यता कार्यक्रम होगा। अनुराग सिंह देव ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्त्ता 24 हजार बूथ में जाएंगे। जिलों में भाजपा कार्यकर्ता बैठक भी हुई है। मोर बूथ मोर अभियान कार्यक्रम का आयोजन होगा। 100 सदस्य का नारा दिया गया। प्रत्येक कार्यकर्त्ता, मंत्री, विधायक सभी को लक्ष्य दिया गया है।

उन्होंने कहा कि 25 सितंबर तक 11 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री साय कुनकुरी विधानसभा के बगिया बूथ में रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जगदलपुर विधानसभा के आसना में रहेंगे। डिप्टी ष्टरू अरुण साव लोरमी के तुलसाघाट में और विजय शर्मा कवर्धा के एक बूथ में मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि देश में 10 करोड़ का भाजपा सदस्य बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया था अब तक 4 करोड़ का लक्ष्य प्राप्त किया जा चुका है। वहीं प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कार्यकर्ताओं के उत्साह को देखकर हमें पूरा विश्वास है कि हम 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे।

जब तक मोदी सरकार है आरक्षण को कोई आंच भी नहीं आ सकतीः पटेल

रायपुर। राजधानी में सोमवार को आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान के विरोध में बीजेपी ने धरना-प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम रायपुर के कलेक्ट्रेट चौक में आयोजित हुआ, जहां बीजेपी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन भी किया। इस धरने में राष्ट्रीय महामंत्री संगम गुप्ता, पूर्व सांसद सुनील सोनी, रायपुर जिला अध्यक्ष जयंती पटेल, विधायक पुरंदर मिश्रा, महामंत्री संजय श्रीवास्तव, प्रवक्ता सुनील चौधरी सहित एसटी, एससी और ओबीसी वर्ग के बीजेपी नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

रायपुर जिला अध्यक्ष जयंती पटेल ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा, जिस तरीके से राहुल गांधी इस देश में आरक्षण को भारतीय जनता पार्टी हटाएगी ऐसा कहकर लोगों को भ्रमित कर पिछले चुनाव में जीत हासिल की, उन्होंने अपना सही चेहरा उजागर कर दिया है। अमेरिका में जाकर वह कहने लगे कि आरक्षण खत्म करने वाली हमारी पार्टी हैं। देश में कुछ कहते हैं, विदेश में जाकर कुछ कहते हैं। बीजेपी के शीर्ष नेताओं ने कहा है कि जब तक नरेंद्र मोदी की सरकार है, आरक्षण को कोई आंच भी नहीं आ सकती है। वह लोगों में भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने कहा था कि ये 400 सीटें इसलिए चाहिए क्योंकि वह आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। यह स्थिति अब स्पष्ट हो गई है। वह देश से बाहर जाकर अपने मन की बात करते हैं। अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है, तो आरक्षण को समाप्त करेगी। इस बयान के विरोध में आज हम आक्रोश प्रदर्शन कर रहे हैं और राहुल गांधी का पुतला दहन किया है।

भाजपाइयों ने जलाया राहुल का पुतला

यह कांग्रेस की दोहरी मानसिकता– संगम गुप्ता

ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री संगम गुप्ता ने कहा, कांग्रेस पार्टी और उसके नेता लगातार एससी, एसटी और ओबीसी के विरोधी रहे हैं। राजीव गांधी ने 1990 में ओबीसी समाज को 'बुद्धू' कहा था, यह रिकॉर्ड पर है। इंदिरा गांधी ने मंडल कमीशन को ठंडे बस्ते में डालने के लिए अपने कानून मंत्री को कहा था कि ऐसी रिपोर्ट तैयार करो कि सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। जवाहरलाल नेहरू उस समय प्रधानमंत्री थे और उन्होंने भी एससी, एसटी का विरोध किया। अभी हाल ही में अमेरिका के दौरे पर एक यूनिवर्सिटी में उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आते ही एससी और एसटी ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे। एक तरफ लोकसभा में जनता को गुमराह किया जाता है और दूसरी तरफ विदेश में जाकर आरक्षण खत्म करने का बयान देते हैं। यह कांग्रेस की दोहरी मानसिकता है।

कांग्रेस का दोहरा चरित्र अब सभी के सामने–पूर्व सांसद सोनी

पूर्व सांसद सुनील सोनी ने कहा, लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने कहा था कि यदि बीजेपी के 400 सीटें आएंगी तो आरक्षण समाप्त हो जाएगा। वहीं, जिम्मेदार पद पर रहते हुए अमेरिका में जाकर वह कहते हैं कि हम ओबीसी का आरक्षण खत्म कर देंगे और संविधान को हम नहीं मानते। यह कांग्रेस की दोहरी मानसिकता जनता के सामने आ गई है। इस मुद्दे को लेकर आज हम धरना दे रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस का दोहरा चरित्र अब सभी के सामने है। विदेश में राष्ट्रीय विरोधी बातें करने वाले राहुल गांधी का हम आज प्रदर्शन कर पुतला दहन कर रहे हैं।

प्रसाद में अभक्ष्य पदार्थों की मिलावट की जड़ में जांच हो - मुख्यतः जांच घी फैक्ट्रीयों में हो

रायपुर। भगवान तिरुपति मंदिर जी के लड्डू प्रसादम में गाय व अन्य जानवरों की चर्बी और मछली के तेल जैसे अभक्ष्य पदार्थों के इस्तेमाल की रिपोर्ट आने के बाद से सम्पूर्ण शाकाहारी समाज की भावनाएं आहत हुई है । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने कहा कि सवाल केवल तिरुपति मंदिर जी के प्रसाद का नही है , विश्वभर के मंदिरों में प्रसाद बनाए व भगवान को भोग लगाए या चढ़ाए जाते हैं , और ज्यादातर प्रसाद में घी का उपयोग होता ही है । मिठाई या लड्डू बनाने में उपयोग में आने वाली अन्य

सामग्री में अभक्ष्य पदार्थों की मिलावट की संभावना नगण्य होती है केवल शुद्ध घी में ही इन अभक्ष्य पदार्थों की मिलावट की जा रही है । जैन संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि शुद्ध घी बनाने वाली फैक्ट्रियों में कड़ी जांच कर यह सुनिश्चित किया जावे की घी में अभक्ष्य पदार्थों की मिलावट न हो । उन्होंने आगे बढ़कर कहा कि केवल भगवान व मंदिरों में प्रसाद की बात नही है यह सम्पूर्ण शाकाहारी समाज के लिए चिंता व परेशानी की बात है कि भोजन में शुध्द घी का उपयोग कैसे करें । कोचर व चोपड़ा ने कहा कि शुद्ध घी में गाय माता व अन्य पशुओं की चर्बी की मिलावट अत्यंत चिंता व धार्मिक आस्था पर चोट करने का विषय है , और हमारी गाय माता के कटने व हत्या करने का कारण भी है , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से निवेदन है कि घी में मिलावट को रोकने से पशुधन के विनाश को भी रोका जा सकेगा । सबसे महत्वपूर्ण शाकाहारी भोजन की शुद्धता को बरकरार रखना जरूरी है , जैसा अन्न वैसा मन – हमारी संस्कृति को बचाने के लिए शुद्ध भोजन बहुत आवश्यक है । शुद्ध घी का उपयोग कैसे करें ।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

कांग्रेस सरकार ने 76 प्रतिशत आरक्षण विधेयक पास किया

रायपुर। भाजपा के पूर्व सांसद संगम लाल गुप्ता के प्रेस वार्ता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा नेताओं को झूठ बोलने की बीमारी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से हटाने की बात कही है। भाजपा के नेता आरक्षण खत्म करने की वकालत करते हैं। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, आरएसएस प्रचारक प्रमुख मनमोहन वैद्य, भाजपा सांसद सीपी ठाकुर जैसे अनेकों भाजपा नेताओं ने आरक्षण का खुले तौर पर विरोध किया थाकांग्रेस की सरकार ने 76 प्रतिशत आरक्षण संशोधन विधेयक पारित कर ओबीसी वर्ग को 27प्रतिशत एसटी वर्ग को 32प्रतिशत एससी वर्ग को 13प्रतिशत और ईडब्ल्यूएस वालों को 4 प्रतिशत आरक्षण का अधिकार दिया जिसे भाजपा ने षडयंत्र पूर्वक राज भवन में रुकवाया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि संगम लाल गुप्ता बताएं मोदी सरकार आरक्षण की सीमा 50प्रतिशत को हटाती क्यों नहीं है? मोदी सरकार जातिगत जनगणना करने से भाग क्यों रही है? छत्तीसगढ़ का 76 प्रतिशत आरक्षण संशोधन विधेयक को मोदी सरकार ने दबाव पूर्वक क्यों रुकवाया इससे किसको लाभ होगा?

डबल इंजन की सरकार के दोनों इंजन 9 महिने में ही विपरीत दिशा में

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि डबल इंजन की सरकार के दोनो इंजन 9 महिने में ही विपरीत दिशा में जा रही है। साय सरकार ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों के भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई की लिमिट तय कर दी है। सीबीआई राज्य के कर्मियों के खिलाफ राज्य सरकार के लिखित अनुमति के बिना जांच नहीं कर सकेगी। राज्य सरकार की पूर्व लिखित अनुमति के बिना किसी भी मामले में अपराध दर्ज करना तो दूर अब राज्य में जांच तक नहीं कर पाएगी सीबीआई। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी अवसरवादी राजनीति करती है। कांग्रेस सरकार के समय सीबीआई के बेन पर विरोध करने वाले अब खुद बेन कर रहे है छत्तीसगढ़ में जब पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार थी, तब सीबीआई के जबरिया हस्तक्षेप पर राज्य सरकार की आपत्ति के खिलाफ बयानबाजी करते थे, और अब जब छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, अपने राज्य सरकार के अधीनस्थ कर्मचारियों के खिलाफ सीबीआई को मामला दर्ज करने और जांच करने से प्रतिबंधित कर रहे हैं। राज्य सरकार के द्वारा जारी अधिसूचना से स्पष्ट है कि डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ में पूरी तरह से फेल हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ को मिला सेरीकल्चर के क्षेत्र में बेस्ट एचिवर पुरस्कार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के किसानों को रेशम पालन के क्षेत्र में एक और बड़ा पुरस्कार हासिल किया है। केन्द्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने बैंगलूरु में केन्द्रीय रेशम बोर्ड के 75वें स्थापना दिवस 20 सितम्बर को आयोजित कार्यक्रम में टसर कृमिपालक एवं टसर धागाकारक गतिविधि के लिए छत्तीसगढ़ को बेस्ट एचिवर पुरस्कार से नवाजा गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसके लिए विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों और रेशम पालक किसानों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। ग्रामोद्योग के इस उपलब्धि पर सचिव सह संचालक यशवंत कुमार ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ ग्रामोद्योग विभाग द्वारा परीक्षण एवं अनुशंसा के उपरांत संतोष कुमार देवांगन, ग्राम-सिवनी, जिला-जांजगीर-चांपा को धागाकारक एवं गणेश राम सिदार, ग्राम-बार जिला-सारंगढ, बिलाईगढ़ को टसर कृमिपालक के रूप में नामांकित करते हुए उक्त कृषकों द्वारा दोनों विधाओं में प्राप्त उत्कृष्ट उपलब्धि पत्रक एवं हितग्राहियों की जुबानी सफलता की कहानी फोटोग्राफ एवं विडियों सहित पूर्ण संकलन संयुक्त सचिव केन्द्रीय रेशम बोर्ड बैंगलूरू प्रेषित किया गया था।

नशीली इंजेक्शन और सिरप बेचने वालो की करें शिकायत

रायपुर। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने बेमेतरा जिला के नवागढ़ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। मंत्री बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूर दृष्टि से अब आयुष्मान भारत योजना के तहत राशन कार्ड से बड़े से बड़े बीमारियों का निःशुल्क इलाज हो जाता है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में राशन कार्ड बनवाएं। उन्होंने कहा कि कुछ मेडिकलों और डॉक्टरों के पास नशीली इंजेक्शन और सिरप बेचने की भी जानकारी संज्ञान में आयी है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि ऐसे नशीली दवाईयों को बेचने वाले की शिकायत करें, उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री बघेल ने कहा कि नशीली इंजेक्टशन, सिरप और मेडिसीन सहित अन्य नशीली मादक पदार्थ नवयुवकों और आने वाले पीढियों को बर्बात कर देती है। अतः इन नशीली मादक पदार्थों के प्रति डॉक्टरों और स्टाफ को इनके दूष्परिणाम के प्रति लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।

'कन्याओं के साथ गलत करने वालों को जला दो': पं. मिश्रा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में सीहोर के विख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा का आयोजन हो रहा है। पंडित प्रदीप मिश्रा अपने प्रवचन में समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रकट कर रहे हैं। बीते रविवार उन्होंने बच्चियों के साथ हो रही दुष्कर्म की घटनाओं पर कहा था की दुष्कर्मियों को चौखट पर जला देना चाहिए। पंडित मिश्रा के इस बयान पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री साय ने पंडित मिश्रा के इस बयान को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि उनके कहने का आशय यह है कि जो इस तरह का कृत्य करते हैं वह रावण से कम नहीं होते हैं। ऐसे लोगों को सजा मिलनी चाहिए। कथा के दौरान प्रदीप मिश्रा ने कहा था कि आज छोटी-छोटी बच्चियों, कन्याओं और लड़कियों के साथ गलत कृत्य हो रहा है। इसका कारण है, गलत चीजें मोबाइल पर देखी जा रही है। गलत नीति रखी जा रही है, गलत नीयत रखी जा रही है, गलत नजर रखी जा रही है। इस व्यास पीठ के माध्यम से मेरा इतना सा निवेदन है कि जिस नगर में, जिस मोहल्ले में और जिस गांव और क्षेत्र में छोटी बच्चियों, कन्याओं और लड़कियों के साथ गलत कृत्य हो रहा है, उसे लाकर उनके चौखट पर जला दो।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

खरोरा ब्लॉक के प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला से अवैध कब्जा खाली कराने के निर्देश

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जनदर्शन के माध्यम से आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर जनदर्शन में आज खरोरा ब्लॉक के केशला ग्राम पंचायत में स्थित प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला की भूमि में अवैध कब्जा को खाली करने की शिकायत की गई। इस मामले में तत्काल कलेक्टर ने कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। साथ ही आरंग ब्लॉक के कुम्हारी निवासी श्री गजेंद्र साहू ने अपनी जमीन के बंदोबस्त में त्रुटि होने की शिकायत की। मामले में कलेक्टर ने आरंग एसडीएम को निराकरण के लिए निर्देशित किया है। धरसींवा के टेकारी निवासी श्री नेतराम सिंह ठाकुर ने भूमि का बंटाकन नहीं किए जाने का आवेदन दिया, इस मामले में कलेक्टर ने तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा पुरानी बस्ती निवासी श्री कपिलनारायण अग्रवाल के खसरा नंबर में त्रुटि को सुधार करने के निर्देश दिए है। डगनिया निवासी प्रेमलता ने नामांतरण करने के लिए आवेदन किया, जिस पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। साथ ही कलेक्टर ने रहवासी कॉलोनी में छोटे-छोटे खुलने वाले होटलों पर रोक लगाने के साथ सख्ती करने के निर्देश दिए है।

इसके अलावा खम्हारडीह शंकर नगर निवासी निलंबित पटवारी आदित्य शुक्ला द्वारा पद का दुरूपयोग किए जाने की मोहल्लेवासियों ने कलेक्टर से शिकायत की थी। जिस पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए और उनकी गाड़ी में छत्तीसगढ़ शासन लिखा गया था, जिसे पर कार्रवाई करने के लिए थाने में मोहल्लेवासियों को बुलाया भी गया था। आज कलेक्टर जनदर्शन में मोहल्लेवासी पहुंचे और खम्हारडीह थाने में मोहल्लेवासियों को बुलाया गया और इसके बाद गाड़ी से छत्तीसगढ़ शासन हटा दिया गया। कार्रवाई होने पर मोहल्लेवासियों ने कलेक्टर को धन्यवाद दिया और आभार जताया है। कलेक्टर जनदर्शन में जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा विद्यार्थियों में जीवन मूल्यों का विकास करती है : डॉ शर्मा

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में नवीन शिक्षा नीति के तहत शिक्षा सत्र 2024-25 में नव प्रवेशित स्नातक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को चार वर्षीय पाठ्यक्रम के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने हेतु आयोजित पांच दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम ''दीक्षा आरंभ'' का आज यहां शुभारंभ किया गया। शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलदेव भाई शर्मा थे और कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। दीक्षा आरंभ कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित समस्त कृषि

महाविद्यालयों के विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन शामिल हुए। दीक्षा आरंभ समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. बलदेव भाई शर्मा ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता के कई वर्षों बाद नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कर विद्यार्थियों को गुरू शिष्य परंपरा से जोड़ने की पहल की गई है और इसी कड़ी में विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में दीक्षा आरंभ कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री और नौकरी देने का साधन नहीं है बल्कि यह व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास का माध्यम है। शिक्षा विद्यार्थियों को विचारवान तथा समाजोपयोगी बनाती है। शिक्षा विद्यार्थियों में जीवन मूल्यां का विकास करती है और उन्हें उत्कृष्टता प्राप्त करने की दृष्टि प्रदान करती है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.